राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 25 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-290 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी

सपा 26 पर तैयार

इनमें से 16 सीटों पर कांग्रेस की जमानत जब्त हुई थी

इमरान मसूद बोले-भीख नहीं मांग रहे, बराबरी चाहिए



लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। अखिलेश कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीट देना चाहते हैं। जबकि, कांग्रेस 125 सीट पर अड़ी हुई है। दिल्ली में सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा- मैंने उनको कल 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वो (कांग्रेस) अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं। सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। कहा- 26 सीटों पर हम चर्चा करेंगे। कांग्रेस को लिस्ट दे दी है। सपा के 26 सीटों के ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा- हम किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं।

सपा-कांग्रेस के बीच 146 सीटों पर चल रही बातचीत

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के घर पर सपा-कांग्रेस की बैठक चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें 146 सीटों पर चर्चा हो रही है। 120 से 125 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट कांग्रेस ने सोमवार को सपा को सौंपी थी। जबकि 26 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट सपा ने कांग्रेस को सौंपी है। पहले कहा जा रहा था कि बैठक कल यानी बुधवार को भी होगी। लेकिन, अब बताया जा रहा है कि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा के घर पारिवारिक कार्यक्रम है। वहीं, सपा 26 नवंबर को घोषणा पत्र का ऐलान कर रही है। उसी दिन लखनऊ में कांग्रेस पैदल मार्च निकाल रही है, इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। ऐसे में दोनों पार्टियों के नेता बिजी हो जाएंगे।

कांग्रेस का तर्क-

2022 के नतीजे पैमाना नहीं हो सकते

कांग्रेस का तर्क है कि 2022 के नतीजे ही उसकी मौजूदा ताकत का पैमाना नहीं हो सकते। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रदर्शन और कांग्रेस के मौजूदा सांसदों के प्रभाव वाले क्षेत्रों को भी सीट बंटवारे में महत्व मिलना चाहिए। सपा ने कांग्रेस को जिन 26 सीटों की सूची सौंपी है।

वहां 2022 में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा था। कांग्रेस सिर्फ प्रतापगढ़ की रामपुर खास और महाराजगंज की फरेंदा की सीट ही जीत पाई थी। रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना और फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी जीते थे। वहीं, मथुरा, खेरागढ़, जगदीशपुर और किदवई नगर में पार्टी दूसरे नंबर पर रही थी।

तमिलनाडु में टीवीके विधायक पर एफआईआर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची से टीवीके विधायक सी. अरुल विग्नेश के खिलाफ महिला कलेक्टर को अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को



मद्रास हाईकोर्ट को इसकी जानकारी दी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हर महिला को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा मिलनी चाहिए, चाहे वह मुख्य सचिव हो या सफाईकर्मी। अदालत ने कहा कि आरोपी विधायक एक उच्च संवैधानिक पद पर हैं।

देशभर में अवैध निर्माण को नगर निगमों का संरक्षण

सुप्रीम कोर्ट बोला-अधिकारी नियम तोड़ने वालों से मिले हुए

भोपाल नगर निगम की सीलिंग रिपोर्ट पर उठ रहे कई सवाल

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बिल्डिंग नियमों के उल्लंघन और इसमें नगर निकायों की भूमिका पर सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने कहा कि कई जगह अधिकारी नियम तोड़ने वालों के साथ मिले हुए हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि आवासीय इलाकों में होटल, गेमिंग पार्लर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रेस्टोरेंट को मंजूरी कौन दे रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि बिल्डिंग प्लान पास कराने, निर्माण के दौरान निरीक्षण से बचने और तोड़फोड़ रुकवाने तक किस स्तर पर कितनी कीमत चुकाई जाती है। कोर्ट ने कहा कि कई बार निरीक्षण तब होते हैं, जब इमारतें बन चुकी होती हैं और नियमों का उल्लंघन हो चुका होता है।



6 जनवरी से पहले लागू हो सकता है भोपाल का मास्टर प्लान

भोपाल में सीलिंग मामले की सोमवार को हुई सुनवाई के बाद मास्टर प्लान के जल्द लागू होने की संभावना बनी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, 10 दिसंबर तक मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से सुनवाई होगी। इसके बाद सरकार 6 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई से पहले मास्टर प्लान लागू कर सकती है। ड्राफ्ट में कई सड़कों पर कमर्शियल एक्टिविटी का प्रावधान है।

उम्मीद

पीएम मोदी के दौरे से पहले चर्चा, मुंह ताकते रह जाएंगे ट्रंप और खालिस्तानी

भारत-कनाडा में बन गई बात, होगी डिफेंस डील!

ओटावा (एजेंसी)। भारत और कनाडा के अधिकारी रक्षा और सूचना सुरक्षा समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं। इन समझौतों का ऐलान पीएम नरेंद्र मोदी की दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होने वाली कनाडा यात्रा के दौरान किया जा सकता है। इसमें सैन्य सहयोग और गोपनीय जानकारी साझा करने से जुड़े समझौते शामिल हैं। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए अहम है क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते बीते कुछ महीनों में उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। इसमें कनाडा में खालिस्तानियों की गतिविधियां एक बड़ी वजह रही है। द ग्लोब एंड मेल के मुताबिक, 11-12 दिसंबर को मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (फ्री-ट्रेड डील) की घोषणा होने की उम्मीद है। इसके अलावा भी कई समझौतों पर बातचीत चल रही है, जो ओटावा और दिल्ली के बीच भरोसे के बढ़ते स्तर को दिखाते हैं। यह भरोसा 2023 में आए उस राजनयिक तनाव के बाद फिर से बन रहा है, जिसने दोनों देशों के संबंध काफी खराब हो गए थे।



रक्षा समझौते में क्या-क्या होगा

कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक के अनुसार, दोनों देश रक्षा समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें रणनीतिक सहयोग (युद्धपोतों का दौरा), संयुक्त प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, एयरोस्पेस, नौसेना और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सैन्य उपकरणों का उत्पादन शामिल होगा। रक्षा सहयोग समझौता बेहतर ढांचा तैयार करेगा।

भारत से बेहतर संबंधों की तलाश में कनाडा

साल 2023 में कनाडा-भारत संबंधों में भारी ठहराव आ गया था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से दिल्ली पर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था। निज्जर कनाडा का नागरिक था और भारत से अलग एक सिख देश बनाने (खालिस्तान आंदोन) के अभियान से जुड़ा था। दिल्ली ने आरोपों को खारिज किया था। कनाडा की सरकार भारत के साथ संबंधों को फिर से मजबूत करना चाहती है। ताकि व्यापार के मामले में अमेरिका पर निर्भरता कम हो सके क्योंकि अमेरिका की नीतियों में लगातार अनिश्चितता दिखी है। वहीं कनाडा सरकार ने स्पष्ट किया है कि निज्जर मामले की जांच स्वतंत्र रूप से चल रही है।

जानकारी साझा करने पर जोर

दोनों देश ऐसे समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत वे एक-दूसरे के साथ संवेदनशील, गोपनीय और डीप-टेक (अत्याधुनिक तकनीक) से जुड़ी जानकारी साझा कर सकेंगे। हथियारों और संवेदनशील तकनीक के व्यापार या संयुक्त विकास के लिए इस तरह का समझौता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा में खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ा है। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि दोनों देश सुरक्षा और खुफिया मामलों में सहयोग के लिए अधिक स्थायी तंत्र (मैकेनिज्म) पर काम कर रहे हैं। अभी दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और खुफिया एजेंसियां समय-समय पर जानकारी साझा करती हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने ठोकी क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज डबल सेंचुरी

196 रन सिर्फ चौके और छक्कों से बनाए



नई दिल्ली (एजेंसी)। राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट इतिहास की सबसे अविश्वसनीय और विनाशकारी पारी खेल डाली है। अपने तूफानी शतक के बाद भी वैभव के बल्ले की आग शांत नहीं हुई और उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक ठोक दिया। इस करिश्माई दोहरे शतक के दौरान वैभव ने यूएई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए 28 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े यानी 200 में से 196 रन तो केवल चौकों और छक्कों की बारिश से ही बटोर लिए।

डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स ध्वस्त - महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा करके वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर के क्रिकेट (वनडे और लिस्ट-ए) में सबसे तेज डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है।

सुविधा

एक क्लिक में बंद होंगे सभी पेमेंट,1 जुलाई 2027 से लागू हो सकते हैं नए नियम

बैंक फ्रॉड रोकने स्टॉप स्विच फीचर लाएगा आरबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। *आपके बैंक खाते को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नए सुरक्षा नियम ला रहा है। इसके तहत बैंक के एप में स्टॉप स्विच नाम का एक इमरजेंसी बटन मिलेगा। खाता हैक होने का शक होने पर आप एक क्लिक से पैसे निकलना तुरंत रोक सकेंगे। इसके अलावा, आप खुद यह तय कर सकेंगे कि दिनभर में कितना पैसा ट्रांसफर हो और बड़े पेमेंट के लिए घर के किसी भरोसेमंद सदस्य की मंजूरी भी अनिवार्य कर सकेंगे। आरबीआई ने इन नियमों पर 14 दिसंबर 2026 तक सुझाव मांगे हैं,*



जिन्हें 1 जुलाई 2027 से लागू किया जा सकता है। आरबीआई बड़े पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए ट्रस्टेड पर्सन फीचर ला रहा है। यह सुविधा पूरी तरह आपकी मर्जी (वैकल्पिक) पर निर्भर करेगी। इसमें आप 18 साल या उससे बड़े किसी भी भरोसेमंद व्यक्ति (जैसे परिवार के सदस्य) को नॉमिनेट कर सकेंगे। यह एक इमरजेंसी बटन जैसा होगा। बैंक अकाउंट, पासवर्ड या डिजिटल पेमेंट हैक होने का शक होने पर आपको बैंक को फोन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे ऑन करते ही खाते से पैसे निकलना तुरंत बंद हो जाएंगे।

खाते की जानकारी सुरक्षित रहेगी

इस सुविधा को शुरू करने से पहले 24 घंटे का वेटिंग (कूलिंग-ऑफ) पीरियड रहेगा। खास बात यह है कि उस व्यक्ति को आपके खाते का बैलेंस, एफडी या निवेश नहीं दिखेगा और न ही वह खुद कोई पेमेंट कर पाएगा। यह नियम यूपीआई, दुकानों के पेमेंट या ऑटो-डेबिट पर लागू नहीं होगा। आरबीआई के ये नए नियम देश के लगभग सभी तरह के बैंकों पर लागू होंगे। इनमें सरकारी और प्राइवेट कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट्स बैंक, ग्रामीण बैंक, लोकल एरिया बैंक और कोऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। हालांकि, ये अभी ड्राफ्ट नियम हैं और अंतिम मंजूरी मिलने के बाद ही आम ग्राहकों को इनकी सुविधा मिल पाएगी। बैंक के सिस्टम में खराबी, सुरक्षा में सेंध या किसी बैंक कर्मचारी की मिलीभगत से फ्रॉड होता है, तो उसकी जिम्मेदारी भी बैंक की ही होगी। ये सख्त नियम 1 जनवरी 2027 से लागू करने का प्रस्ताव है।

स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर 4 बच्चों की मौत

25 घायल, पिकनिक से लौट रहे थे, यूपी के कन्नौज में एक्सप्रेसवे पर खड़ी थी



कन्नौज/कौशांबी (एजेंसी)। यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

पिकनिक के लिए आगरा और मथुरा गए थे

स्कूल प्रबंधन ने बताया कि कक्षा 6 से लेकर 10वीं तक के बच्चों को पिकनिक के लिए आगरा और मथुरा ले जाया गया था। बस शनिवार को कौशांबी से निकली थी। रविवार और सोमवार को घूमने के बाद देर रात वापस आ रही थी। घायल छात्र प्रिंस प्रजापति ने बताया- आगरा में ताजमहल देखने गए थे। दोस्त नौशाद की तबीयत खराब थी। उसे टॉयलेट जाना था। इसलिए बस रुकी थी। तभी हादसा हो गया। ट्रक ड्राइवर ने ड्रिंक कर रखी थी। छात्र शक्ति यादव ने बताया- टक्कर के बाद हमारी बस काफी दूर तक घिसट गई। टक्कर से प्रिंसिपल सर बस के गेट में फंस गए। मेरे कई दोस्तों को चोटें आईं।

देश को बदनाम करने से नहीं चमकेगी राजनीति

राहुल गांधी पर भाजपा का वार, कहा-जनता कभी नहीं करेगी स्वीकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका दौरे के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था और चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला है। भाजपा का कहना है कि राहुल गांधी भले ही विदेश जाकर अपनी राजनीति को दोबारा चमकाने की कोशिश करें, लेकिन देश के खिलाफ नकारात्मक बातें करने वाले नेता को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। राहुल के अमेरिका में दिए गए बयान को लेकर देश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदीप भंडारी ने भारत की आर्थिक और वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने लोवी इंस्टीट्यूट की एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत एशिया की तीसरी सबसे ताकतवर शक्ति बनकर उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि गोल्डमैन सैक्स और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बताया है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भंडारी ने कहा कि वह विदेश की जमीन से अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने की कोशिश कर रहे।



पंजाब में 6 साल बाद फिर साथ आए भाजपा-अकाली

दोनों पर्टियों ने गठबंधन का किया ऐलान, मिलकर लड़ेंगे 2027 का चुनाव

शाह बोले-मुख्यमंत्री अकाली दल का होगा, सीट शेयरिंग पर फैसला बाद में

लुधियाना (एजेंसी)। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल 6 साल बाद फिर साथ आए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन का ऐलान किया। अमित शाह ने कहा- पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। अकाली नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा।



सुखबीर बोले-भाजपा से हमारा रिश्ता नाखून-मांस जैसा

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह इमोशनल गठबंधन है। मेरे पिता कहते थे कि यह नाखून-मांस का गठबंधन है। जितनी देर यह गठबंधन रहा पंजाब तरक्की पर रहा। पंजाब में शांति रही। यह रिश्ता मेरे पिताजी और अटल अडवाणी जी ने बनाया था। यह एक पारिवारिक रिश्ता है।

अमित शाह ने बता दिया पंजाब के लिए एजेंडा

नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब को नशा मुक्त करने का रोडमैप बताते हुए अमित शाह ने कहा, बीजेपी और अकाली दल पंजाब में कई प्रमुख विषयों को लेकर घोषणा पत्र जारी करेंगे। लेकिन पंजाब से नशे का उन्मूलन हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। पंजाब से भ्रष्टाचार का उन्मूलन और राष्ट्रवादी शक्तियों को सशक्त करना भी हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। इस मौके पर अमित शाह राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लेने से भी नहीं चुके। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पंजाब में तीन महीने में नशा समाप्त करने का वादा देकर आए थे, लेकिन नशा समाप्त नहीं हुआ, बल्कि बढ़ा। 2017 में राहुल गांधी ने उस कार्यकाल में नशा समाप्त करने का वादा किया था, लेकिन उनकी पार्टी ने नशे को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं किया। फिर अमित शाह ने 31 दिसंबर, 2029 तक पंजाब को नशा मुक्त करने का ऐलान किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव

(लेखक - ललित गर्ग)

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस- 25 नवंबर 2026)

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को 'घर की बात', 'इज्जत का मामला' या 'समझौते से सुलझाने' की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हमें एक बड़ा संकल्प देता है-ऐसा समाज बनाने का, जहां महिला को अपनी सुरक्षा के लिए हर समय संघर्ष न करना पड़े, जहां बेटी को जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक भय के बजाय सम्मान मिले, जहां न्याय पाने के लिए उसे अपनी पीड़ा बार-बार सिद्ध न करनी पड़े और जहां बलात्कार, दहेज-हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न और स्त्री-अस्मिता के अपमान जैसे शब्द धीरे-धीरे इतिहास के शब्दकोश का हिस्सा बन जाएं। महिला हिंसा का अंत केवल महिलाओं को सुरक्षित करने का अभियान नहीं है, यह पुरुषों को अधिक मानवीय और समाज को अधिक सभ्य बनाने का अभियान है। जिस दिन किसी महिला को अपनी गरिमा बचाने के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि समाज स्वयं उसकी गरिमा का प्रहरी बन जाएगा, उस दिन इस दिवस की सार्थकता पूरी होगी। नारी को दया नहीं, न्याय चाहिए। संरक्षण मात्र नहीं, समान अवसर चाहिए। सहानुभूति नहीं, सम्मान चाहिए। क्योंकि जिस समाज में उसकी आधी आबादी भयमुक्त नहीं है, वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

बिना आस्था तीर्थयात्रा

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं। सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते।

भारत-नेपाल नई रणनीतिक साझेदारी की दस्तक

(लेखक - ललित गर्ग)

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का 22-23 नवंबर 2026 का भारत दौरा केवल एक प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों में एक संभावित नई शुरुआत का संकेत है। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद किसी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत की है। सितंबर में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह यात्रा द्विपक्षीय राजकीय यात्रा नहीं थी। इस दृष्टि से नई दिल्ली का उनका पहला पड़ाव विशेष महत्व रखता है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद नेपाल की विदेश नीति में कुछ नए तेवर दिखाई दिए थे। भारत के प्रति उनके कुछ बयानों ने असहजता पैदा की, जबकि चीन के साथ नेपाल के आर्थिक और रणनीतिक संपर्क लगातार बढ़ते रहे। लेकिन विदेश नीति में स्थायी मित्रता और अस्थायी मतभेद दोनों साथ चलते हैं। 'देर आए, दुरुस्त आए'-बालेन शाह का नई दिल्ली आना इसी भाव को पुष्ट करता है।

भारत ने भी इस रिश्ते में दरवाजा कभी बंद नहीं किया। अगस्त की विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने नेपाल को आपात सहायता, राहत सामग्री और तकनीकी सहयोग दिया। भारत की यह भूमिका केवल मानवीय सहायता नहीं थी, बल्कि यह संदेश भी था कि मुश्किल समय में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। भारत और नेपाल का रिश्ता किसी सामान्य राजनयिक समझौते का रिश्ता नहीं है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक-सांस्कृतिक निकटता, विवाह संबंध, तीर्थ परंपरा, भाषा और सामाजिक संपर्क सदियों पुराने हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और काशी, बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और भारत की बौद्ध परंपरा, ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना के पड़ाव हैं। लेकिन आज की दुनिया में केवल 'रोटी-बेटी का रिश्ता' पर्याप्त नहीं है। भावनाओं की अपनी जगह है, पर आर्थिक हित, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रिश्तों की नई भाषा बन चुके हैं। इसलिए भारत-नेपाल संबंधों को भावनात्मक विरासत से आगे ले जाकर आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलना समय की मांग है।

नेपाल को विकास के लिए पूंजी, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा बाजार और बेहतर संपर्क चाहिए। भारत के पास इन क्षेत्रों में क्षमता है। दूसरी ओर भारत को एक स्थिर, समृद्ध और मित्रवत नेपाल चाहिए। इसीलिए दोनों देशों के हितों में मूलभूत टकराव से अधिक पूरकता है। बालेन शाह का भारत आना अपने आप में कूटनीतिक संदेश है। उनके पूर्ववर्ती केपी शर्मा ओली ने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की करके पुरानी अघोषित परंपरा से अलग रास्ता चुना था। बालेन का भारत से शुरुआत करना यह साबित नहीं करता कि नेपाल चीन से दूरी बना रहा है, लेकिन यह जरूर बताता है कि नई दिल्ली को काठमांडू की विदेश नीति में उसका स्वाभाविक और महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आज नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलन साधना चाहता है। यह उसकी भौगोलिक और आर्थिक वास्तविकता भी है। भारत इसे समझता है और उसे किसी खेमे में धकेलने के बजाय ऐसी साझेदारी विकसित कर सकता है जिसमें नेपाल को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ विकास के अधिक विकल्प मिलें। यही भारत की वास्तविक कूटनीतिक परीक्षा भी है-नेपाल को यह महसूस कराया जाए कि भारत उसके विकल्प सीमित नहीं करता, बल्कि उसके विकल्प बढ़ाता है। बालेन शाह की यात्रा में नेपाल ने करीब दो अरब डॉलर की अनुदान एवं रियायती ऋण सहायता की मांग रखी है। भारत ने आर्थिक प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए हैं, हालांकि अंतिम पैकेज और उसकी संरचना पर बातचीत जारी है। हवाई मार्ग के प्रश्न पर भी अभी पूर्ण सहमति नहीं बनी है। यहीं भारत को एक नई सोच अपनानी चाहिए।नेपाल को केवल सहायता देना पर्याप्त नहीं, नेपाल की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने वाली परियोजनाओं में भारत का भागीदार बनना अधिक उपयोगी होगा। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेपाल के पास विशाल जलविद्युत क्षमता है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत है। दोनों देश दीर्घकालिक बिजली व्यापार, ट्रांसमिशन लाइन और नई जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें नेपाल बिजली पैदा करे, भारत बाजार उपलब्ध कराए और दोनों देश समृद्ध हों। भारत-नेपाल के बीच 10,000 मेगावाट तक दीर्घकालिक बिजली व्यापार का लक्ष्य इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंचेश्वर परियोजना, लोअर अरुण, सीमा-पार बिजली संपर्क और नए ऊर्जा गलियारों को पुराने मतभेदों की फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता। 'जब जागो तभी सवेरा'-अब दोनों देशों को लंबित परियोजनाओं को परिणाम की जमीन पर उतारना होगा। भारत-नेपाल संबंधों का अगला बड़ा अध्याय कनेक्टिविटी होना चाहिए। रेल, सड़क, पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और हवाई संपर्क, ये आधुनिक युग की नई कूटनीतिक धमनियां हैं। अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क का आज ही शुरु होना सांस्कृतिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। रक्सौल-काठमांडू रेल संपर्क भविष्य में व्यापार और यात्रियों की आवाजाही को नई दिशा दे सकता है। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां, ऊर्जा पाइपलाइन और व्यापारिक गलियारों का विस्तार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ सकता है।

नेपाल के भैरहवा और पोखरा जैसे हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त भारतीय हवाई मार्ग की मांग भी महत्वपूर्ण है। इस विषय पर सुरक्षा, तकनीकी और हवाई क्षेत्र से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों की संवेदनशील वास्तविकता हैं। इसके अलावा 1950 की भारत-नेपाल संधि की समीक्षा, गोरखा सैनिकों की भर्ती, व्यापार असंतुलन और पंचेश्वर जैसे विषय भी समय-समय पर तनाव पैदा करते रहे हैं। इन विवादों को न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही उन्हें हर बैठक का केंद्र बनाना उचित होगा। रास्ता है-संवाद, तथ्य, संवेदनशीलता और राजनीतिक परिपक्वता।भारत-नेपाल संबंधों की चर्चा चीन के बिना अधूरी है। नेपाल चीन के साथ भी सड़क, ऊर्जा, संपर्क और बेल्ट एंड रोड से जुड़ी परियोजनाओं में सहयोग कर रहा है। भारत को इसे केवल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से देखने के बजाय नेपाल की विकास आकांक्षाओं को समझना चाहिए।

चिंतन मनन

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टत- क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

विचार मंथन

चिकित्सा खर्च का बोझः मध्यम एवं निम्न परिवारों को कर्ज और गरीबी से बचाना सरकार की जिम्मेदारी

(लेखक - सनत जैन)

स्वास्थ्य सेवा का अधिकार केवल सरकारी योजनाओं और विज्ञापनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, आम आदमी को समय पर सस्ता, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलना ज्यादा जरूरी है। भारत में चिकित्सा खर्च अब केवल बीमारी से जुड़ी समस्या नहीं रह गया है। यह लाखों मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के आर्थिक अस्तित्व का सवाल बनता जा रहा है। किसी परिवार में गंभीर बीमारी दस्तक देती है, तो उसकी सबसे बड़ी चिंता मरीज का इलाज कराने के साथ-साथ घर का खर्च चलाने की हो जाती है। छोटी-मोटी मौसमी बीमारियों के उपचार में हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। कैंसर, हृदय रोग, किडनी और दूसरी गंभीर बीमारियों का इलाज इतना महंगा हो गया है, वर्षों की बचत कुछ महीनों में समाप्त हो जाती है। कई परिवारों को जमीन, मकान और गहने तक बेचने पड़ते हैं। इसके बाद भी इलाज पूरा हो जाए, और मरीज बच जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती है।

नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े इस संकट की गंभीरता की ओर इशारा करते हैं। चिकित्सा खर्च का बढ़ता हिस्सा परिवारों के मासिक बजट को प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले स्वरोजगार से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक चिंताजनक है। उनके पास नियमित आय, नौकरी से मिलने वाली चिकित्सा सुविधा और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा नहीं होता। बीमारी के कारण एक तरफ इलाज का खर्च बढ़ता है, वहीं दूसरी तरफ कमाई का जरिया भी बंद हो जाता है। इस दोहरी मार से परिवार कर्ज के जाल में फंस जाता है। यहां सबसे बड़ा सवाल सरकार की जिम्मेदारी का है। केंद्र और राज्य सरकारें स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से पांच लाख और दस लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की घोषणाएं करती हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए महत्वपूर्ण सहारा हैं, इन योजनाओं की वास्तविक सफलता इस बात से तय होनी चाहिए। मरीज को अस्पताल में बिना परेशानी इलाज मिल रहा है, या नहीं। केवल कार्ड बन जाना और योजना का प्रचार होना पर्याप्त नहीं है। जमीनी स्थिति दावे के विपरीत है। अक्सर सरकारी अस्पतालों में जरूरी दवाइयां उपलब्ध नहीं होतीं। मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों में भेज दिया जाता है। कई बार अस्पतालों में बेड, विशेषज्ञ डॉक्टर और जरूरी उपकरणों की कमी बनी रहती है। ऐसे में गरीब मरीज निजी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर होता है, जहां इलाज का खर्च उसकी क्षमता से बाहर होता है। दवाइयों की कीमत, अनावश्यक जांच, अस्पतालों के बिल और इलाज में पारदर्शिता की कमी इस समस्या को और गंभीर बना रही है।

सरकार को सबसे पहले सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जिला अस्पतालों से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक जरूरी दवाइयों, जांच सुविधाओं, डॉक्टरों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। निजी अस्पतालों के इलाज और जांच शुल्क पर प्रभावी निगरानी के नियम बनाने और उनका कड़ाई से पालन हो। मरीजों से अनावश्यक जांच और अतिरिक्त शुल्क वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। दवाइयों की गुणवत्ता जांचने और नकली दवाओं के कारोबार पर रोक लगाने के लिए भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

केंद्र एवं राज्य सरकारें इस मामले में विफल साबित हो रही हैं। केंद्र सरकार ने अभी जो पोर्टल बनाया है। उसमें अभी तक मात्र 4 राज्य सरकारें जुडी हैं। इससे उनकी गंभीरता का पता लगता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा का दायरा केवल पात्रता सूची तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवारों, छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी संचालकों, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी सस्ती और व्यावहारिक स्वास्थ्य सुरक्षा बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अलग राहत कोष बनाया जा सकता है, ताकि किसी परिवार को इलाज के लिए अपनी संपत्ति बेचने या साहूकारों से कर्ज लेने की नौबत न आए। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा, स्वास्थ्य योजनाओं के नाम पर खर्च होने वाली राशि का वास्तविक लाभ मरीज तक पहुंचे। इसके लिए अस्पतालों का नियमित ऑडिट, इलाज की गुणवत्ता की निगरानी और शिकायतों के त्वरित निपटारे की व्यवस्था जरूरी है। जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

आखिरकार, स्वस्थ नागरिक ही मजबूत देश की नींव होते हैं।

यदि किसी परिवार की वर्षों की मेहनत, बीमारी के एक झटके में आर्थिक तबाही में बदल जाती है, ऐसी स्थिति में विकास के दावों पर भी सवाल उठेंगे। चिकित्सा सेवा को मुनाफे का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय अधिकार और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा।

सरकार की सफलता अस्पतालों की इमारतों और योजनाओं के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए, कितने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार बिना कर्ज लिए सम्मान के साथ अपना इलाज करा पा रहे हैं। अब समय केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि ठोस नीतियों, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव लाने की जरूरत का है। जिस तरह से बीमा कंपनियां प्रीमियम के रूप में करोड़ों-अरबो रुपए कमा रही हैं। पॉलिसी लेने वालों को पूरा इलाज का खर्च नहीं देती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिसंबर के पहले सप्ताह में बाजार में दस्तक देंगे दो आईपीओ

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार में आगामी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए अवसर लेकर आ रहा है। दिसंबर के पहले सप्ताह में मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड समेत चार कंपनियां अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं। इन कंपनियों का मकसद कारोबार विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करना है। दिसंबर के पहले सप्ताह में मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड पूंजी जुटाने के लिए अपना आईपीओ ला रही हैं। मोनोमार्क इंजीनियरिंग का आईपीओ 2 से 4 दिसंबर तक खुला रहेगा, जबकि मातंगी रबर का सार्वजनिक निर्गम 1 से 3 दिसंबर तक अभिदान के लिए उपलब्ध होगा। दोनों कंपनियां अपने आईपीओ खुलने से ठीक पहले एंकर निवेशकों के लिए बोली आयोजित करेंगी, मातंगी रबर के लिए 30 नवंबर को और मोनोमार्क इंजीनियरिंग के लिए 1 दिसंबर को। इसके अतिरिक्त नवंबर के अंतिम सप्ताह में भी दो अन्य आईपीओ बाजार में आएंगे। खाद्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ 26 नवंबर को लॉन्च होगा। वहीं, निजी इक्विटी फर्म एवरस्टोन कैपिटल समर्थित चिकित्सा प्रौद्योगिकी मंच इंटेग्रिस मेडटेक अपना सार्वजनिक निर्गम 27 नवंबर को पेश करेगा, जिससे निवेशकों के पास विविध क्षेत्रों में निवेश के कई विकल्प उपलब्ध होंगे।

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए से व्यापार, निवेश के नए अवसर खुलेंगे- जर्मन राज्य प्रमुख

प्रस्तावित समझौता दोनों पक्षों के लिए रोजगार, निवेश और व्यापार के नए द्वार खोलेगा

नई दिल्ली ।

जर्मनी के लोअर सैक्सोनी राज्य के प्रमुख ओलाफ लीस ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के बीच निवेश, व्यापार और रोजगार के नए अवसर खोलेगा। इस समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जबकि इसकी बातचीत जनवरी में पूरी हो चुकी है। भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा पर आए लीस ने नई दिल्ली स्थित जर्मनी दूतावास में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एफटीए हमारे देशों के बीच अधिक निवेश, अधिक व्यापार और अधिक कारोबार के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस साल के अंत तक एफटीए को लेकर कोई समाधान निकल आएगा। करीब 60 राजनीतिक और व्यावसायिक प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लीस ने बताया कि यह समझौता भारत में निवेश करने की इच्छुक उनकी राज्य की कंपनियों के साथ ही जर्मनी में अवसर तलाश रहे भारतीय व्यवसायों को भी लाभ पहुंचाएगा। लीस अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली, पुणे और मुंबई में बैठकें करेंगे। लोअर सैक्सोनी जर्मनी के प्रमुख राज्यों में से एक है।

बाजार की चाल से न बिगड़े निवेश का संतुलन, रीबैलेंसिंग से रखें जोखिम काबू में

एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट से बचें, जानें कब और कैसे करें निवेश पोर्टफोलियो को रीबैलेंस

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में लगातार तेजी निवेशकों के लिए खुशी लाती है, लेकिन इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण चुनौती भी पैदा होती है। यह तेजी आपके इक्विटी निवेश की वैल्यू को इतना बढ़ा सकती है कि आपके पूरे पोर्टफोलियो का जोखिम स्तर अनजाने में ही बढ़ जाए। इस स्थिति से बचने और अपने निवेश को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रखने के लिए पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग एक बेहद जरूरी प्रक्रिया है। निवेशक आमतौर पर अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम क्षमता के आधार पर इक्विटी और डेट जैसे एसेट क्लास में एक निश्चित अनुपात तय करते हैं। हालांकि, बाजार में तेजी आने पर इक्विटी की वैल्यू तेजी से बढ़ती है, जिससे यह अनुपात बिगड़ जाता है। मान लीजिए, 60 फीसदी वाला पोर्टफोलियो बढ़कर 68 फीसदी इक्विटी का हो जाए, तो इसे एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट कहते हैं। यह ड्रिफ्ट आपके पोर्टफोलियो का जोखिम बढ़ा देता है, भले ही आपने कोई नया निवेश न किया हो। इस ड्रिफ्ट को ठीक करने और मूल एसेट एलोकेशन पर लौटने की प्रक्रिया को पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश के जोखिम को आपकी क्षमता के अनुसार नियंत्रित रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों की दिशा में सही ट्रैक पर रहें। यह प्रक्रिया रोज या हर महीने करने की बजाय, साल में एक बार किसी तय तारीख पर करनी चाहिए।

बाजार की चाल से न बिगड़े निवेश का संतुलन, रीबैलेंसिंग से रखें जोखिम काबू में

एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट से बचें, जानें कब और कैसे करें निवेश पोर्टफोलियो को रीबैलेंस

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में लगातार तेजी निवेशकों के लिए खुशी लाती है, लेकिन इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण चुनौती भी पैदा होती है। यह तेजी आपके इक्विटी निवेश की वैल्यू को इतना बढ़ा सकती है कि आपके पूरे पोर्टफोलियो का जोखिम स्तर अनजाने में ही बढ़ जाए। इस स्थिति से बचने और अपने निवेश को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रखने के लिए पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग एक बेहद जरूरी प्रक्रिया है। निवेशक आमतौर पर अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम क्षमता के आधार पर इक्विटी और डेट जैसे एसेट क्लास में एक निश्चित अनुपात तय करते हैं। हालांकि, बाजार में तेजी आने पर इक्विटी की वैल्यू तेजी से बढ़ती है, जिससे यह अनुपात बिगड़ जाता है। मान लीजिए, 60 फीसदी वाला पोर्टफोलियो बढ़कर 68 फीसदी इक्विटी का हो जाए, तो इसे एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट कहते हैं। यह ड्रिफ्ट आपके पोर्टफोलियो का जोखिम बढ़ा देता है, भले ही आपने कोई नया निवेश न किया हो। इस ड्रिफ्ट को ठीक करने और मूल एसेट एलोकेशन पर लौटने की प्रक्रिया को पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश के जोखिम को आपकी क्षमता के अनुसार नियंत्रित रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों की दिशा में सही ट्रैक पर रहें। यह प्रक्रिया रोज या हर महीने करने की बजाय, साल में एक बार किसी तय तारीख पर करनी चाहिए। इससे बाजार की दैनिक हलचल से प्रभावित होकर जल्दबाजी में फैसले लेने से बचा जा सकता है। रीबैलेंसिंग से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और उसे पूरा करने में बचे समय के आधार पर इक्विटी और डेट का आदर्श अनुपात तय करना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, लंबी अवधि (जैसे 20 साल बाद रिटायरमेंट) के लक्ष्य के लिए आप अधिक जोखिम लेकर 75 फीसदी इक्विटी और 25 फीसदी डेट में निवेश कर सकते हैं। वहीं, यदि आपको पांच साल बाद बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसे की जरूरत है, तो निवेश में जोखिम कम रखना ज्यादा जरूरी होगा; ऐसे में 30 फीसदी इक्विटी और 70 फीसदी डेट का अनुपात अधिक सुरक्षित विकल्प होगा। इसे एक उदाहरण से समझें- आपने 10 लाख रुपये में 6 लाख इक्विटी और 4 लाख डेट में लगाए (60-40)। बाजार की तेजी से इक्विटी निवेश बढ़कर 9 लाख और डेट निवेश 4.20 लाख हो गया। अब कुल 13.20 लाख रुपये में इक्विटी की हिस्सेदारी लगभग 68 फीसदी हो गई है। बिना नया निवेश किए भी आपका पोर्टफोलियो अधिक जोखिम भरा हो गया। रीबैलेंसिंग करके आप इस अनुपात को वापस 60-40 पर लाकर अनावश्यक जोखिम से बच सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों को सुरक्षित रख सकते हैं।

निजी निवेश में ज़बरदस्त उछाल- सीआईआई रिपोर्ट

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में परियोजना घोषणाएं 26.6 लाख करोड़ पहुंचीं

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में निजी क्षेत्र के निवेश में उल्लेखनीय तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में निजी क्षेत्र की नई परियोजना घोषणाएं सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। यह वृद्धि सरकारी नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और बढ़ते निवेशक भरोसे का प्रमाण है। सीआईआई के निजी निवेश सूचक के दूसरे संस्करण में बताया गया कि इस अवधि में कुल परियोजना घोषणाओं में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत रही, जो पिछले साल 74.2 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा पिछले दशक की समान अवधियों के औसत का 4.4 गुना है। सीआईआई के एक अे धिकारी ने इस सफलता का श्रेय सरकार के सतत नीतिगत सुधारों और नियामकीय ढांचे में सुधार को दिया, जिससे निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग इन अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि यह सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक पूंजी निर्माण में भी परिलक्षित हो रहा है। लगभग 1,800 सूचीबद्ध निजी कंपनियों का सकल पूंजी निर्माण वित्त वर्ष 2025-26 में 12.4 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत है।

टाटा स्टील-एपीएल अपोलो मेगा डील-शेयर लुढ़के,कर्ज बढ़ा,भविष्य की संभावनाएं

28,000 करोड़ के सौदे में टाटा स्टील चुकाएगी ऊंची कीमत

नई दिल्ली ।

देश के स्टील सेक्टर में एक बड़ी हलचल के तहत टाटा स्टील और एपीएल अपोलो ट्यूब्स के बीच लगभग 28,000 करोड़ रुपये की एक मेगा डील चर्चा में है। इस सौदे के तहत टाटा स्टील, एपीएल अपोलो में 52.6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है, साथ ही अपना ट्यूब और कलर कोटेड कारोबार एपीएल अपोलो को बेचेगी। इस खबर से निवेशकों में चिंता बढ़ गई, जिसके चलते 23 नवंबर, को टाटा स्टील के शेयर 8 फीसदी और एपीएल अपोलो के शेयर 21 फीसदी से अधिक गिर गए। यह मेगा डील दोनों कंपनियों के कारोबार में बड़ा बदलाव लाने वाली है। टाटा स्टील एपीएल अपोलो में 52.6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए अधिकतम 32,266 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। इसके समानांतर, वह अपना ट्यूब कारोबार और टाटा स्टील कलर्स का पूरा कारोबार 28,000 करोड़ रुपये में एपीएल अपोलो को बेचेगी। हालांकि, इस सौदे की खबर के साथ ही शुरुआती खर्च, बढ़ते कर्ज और कमाई पर दबाव की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी।

जानकारों का मानना है कि टाटा स्टील एपीएल अपोलो की हिस्सेदारी के लिए काफी ऊंची कीमत चुका रही है, जिसकी एंटरप्राइज वैल्यू करीब 60,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। डील के बाद टाटा स्टील के कर्ज का बोझ बढ़ने का अनुमान है। सितंबर 2026 में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट डेट 91,400 करोड़ रुपये था, जो सौदा पूरा होने के बाद लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

यानी, कंपनी पर करीब 28,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज चढ़ेगा, जिससे कर्ज घटाने की रफ्तार धीमी हो सकती है। शुरुआती दो-तीन साल तक इस डील का टाटा स्टील की प्रति शेयर कमाई पर नकारात्मक असर दिखने की आशंका है। इसके बावजूद, इस सौदे से टाटा स्टील को एपीएल अपोलो का मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, ब्रांड और देशव्यापी कारोबार मिलेगा, जिससे भविष्य में स्टील पाइप और कलर कोटेड प्रोडक्ट के बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी बढ़ेगी। दोनों कंपनियों की संयुक्त उत्पादन क्षमता वर्तमान में 75 लाख टन सालाना है, जिसे अगले 5-6 सालों में बढ़ाकर 1.55 करोड़ टन सालाना करने की योजना है। प्रबंधन को उम्मीद है कि नए कारोबार से 4-5 साल में करीब 10,000 करोड़ रुपये के एबिटा की क्षमता बन सकती है और साढ़े तीन साल में ईपीएस पर सकारात्मक असर दिखेगा।

विशेषज्ञों ने टाटा स्टील के शेयर पर खरीदारी की रेटिंग बरकरार रखते हुए 219 रुपये का अपसाइड टारगेट दिया है, यह मानते हुए कि डील महंगी जरूर है, पर जुड़े जोखिमों का काफी असर शेयर के भाव में पहले ही दिख चुका है।

सोने और चांदी की कीमतों में फिर से उछाल

सोना 1,26,021 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,54,205 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में फिर से उछाल देखने को मिला है। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार पूरे दिन बंद हैं, हालांकि वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शाम के सत्र में कारोबार जारी रहेगा।

ऐसे में पिछले कारोबारी दिन के बंद भाव और सुबह के सांकेतिक खुदरा दरों के आधार पर मंगलवार को सोने और चांदी दोनों में तेजी दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 24 कैरेट सोना 4,243 रुपये की तेजी के साथ 1,26,021 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

पिछले कारोबारी दिन यह 1,21,778 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुलियंस डॉट को डॉट इन के अनुसार, 24 कैरेट सोने का दाम 1,27,000 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट का सोना 1,24,945 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चांदी के दामों में भी बड़ा उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का भाव 6,392 रुपये की तेजी के साथ 1,54,205 रुपये प्रति किलो हो गया है। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,47,813 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

आरबीआई बैठक से पहले कंपनियों की फंड रेसिंग, 25,000 करोड़ जुटाने की तैयारी

0.25 फीसदी से 0.50 फीसदी तक रेपो रेट में बढ़ोतरी का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से पहले देश की कंपनियां सक्रिय हो गई हैं। करीब 25,000 करोड़ रुपए बॉन्ड जारी कर जुटाने की तैयारी की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी से पहले मौजूदा कम लागत पर लंबी अवधि का कर्ज सुरक्षित करना है। एमपीसी की बैठक 2 से 4 दिसंबर तक होनी है। रॉयटर्स के सर्वे और बाजार विश्लेषकों के अनुसार आरबीआई रेपो रेट में 0.25 फीसदी से 0.50 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकता है। इससे पहले आरबीआई ने 7 अक्टूबर को रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया था और अपनी नीति का रुख कैलिब्रेटेड टाइटनिंग कर दिया था, जिसका अर्थ है महंगाई और आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर आगे भी दरें बढ़ाने की संभावना। इस संभावित बढ़ोतरी से बचने के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई), जियो क्रेडिट, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस और टोरेंट पावर जैसी सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने में लगी हैं। नवंबर में-एएए रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड की यील्ड में 0.20 फीसदी से 0.30 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिसे कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी निवेशकों की वापसी और रुपए की स्थिरता जैसे कारकों का समर्थन मिला है। इसी मौके का लाभ उठाकर कंपनियां अपनी उधारी लागत को नियंत्रित रखना चाहती हैं। नवंबर में अब तक 90,000 करोड़ रुपए निजी बॉन्ड प्लेसमेंट के जरिए जुटाए जा चुके हैं, और इस साल कुल फंड जुटाने का आंकड़ा लगातार दूसरे साल 10 लाख करोड़ रुपए पार कर सकता है। रेपो रेट में वृद्धि से बैंकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है, जिसका सीधा असर होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई पर पड़ सकता है।

ट्रंप के दबाव में एनवीडिया ने जेनसेन हुआंग को सीईओ पद पर किया बहाल

अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से हुई कृत्रिम मेधा कंपनी के शीर्ष पद पर बहाली

न्यूयॉर्क ।

कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एनवीडिया ने अपने सह-संस्थापक जेनसेन हुआंग को सीईओ के पद पर बहाल कर दिया है। विवाहेतर संबंधों के आरोपों के चलते हुए उनके इस्तीफे के बाद यह एक चौंकाने वाला घटनाक्रम है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सक्रिय हस्तक्षेप ने उनकी पद पर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया, जबकि पहले निदेशक मंडल ने उनकी पेशकश को ठुकरा दिया था। हुआंग ने 12 नवंबर को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ बनीं। उनके इस्तीफे की वजह एक चीनी कारोबारी महिला और कंपनी की ही कर्मचारी से कथित संबंध थे। निदेशक मंडल ने वापसी की उनकी पेशकश को पहले ठुकरा दिया था, भले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एफबीआई जांच की बात करते हुए भी उनकी प्रशंसा की थी। उनके समर्थन में स्टैंड विद जेनसेन अभियान चला, जिसे एलन मस्क सहित कई हस्तियों का साथ मिला। राष्ट्रपति ट्रंप ने 16 नवंबर को सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्हें हुआंग की वापसी पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

सेबी ने आईपीओ ग्रे मार्केट प्रीमियम पर लगाई रोक,निवेशकों को आगाह किया

बाजार मध्यस्थों को प्रचार-प्रसार से रोका, निवेशकों को अनौपचारिक सौदों से बचने की सलाह

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के आंकड़ों के प्रकाशन और प्रचार-प्रसार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। नियामक ने बाजार मध्यस्थों और अन्य प्रतिभागियों को इस तरह की गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही सेबी ने निवेशकों को जीएमपी को संभावित लिस्टिंग मूल्य या अपेक्षित रिटर्न का संकेतक न मानने की सख्त चेतावनी दी है। सेबी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि जीएमपी उन अनौपचारिक और अपुष्ट कीमतों को दर्शाता है जिन पर किसी कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले कारोबार किए जाने का दावा किया जाता है। ये सौदे मान्यता-प्राप्त शेयर बाजारों के दायरे से बाहर होते हैं, जिस पर कोई नियामकीय निगरानी नहीं होती और न ही इनमें निवेशकों को कोई सुरक्षा या सौदे के निपटान की गारंटी मिलती है। नियामक ने पाया कि जीएमपी के आंकड़े वेबसाइटों, डिजिटल मंचों, समाचार पत्रों और यहां तक कि सेबी में पंजीकृत कुछ मध्यस्थों द्वारा भी व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा रहे थे। नियामक ने स्पष्ट किया कि ऐसे प्रीमियम के आंकड़ों का प्रकाशन निवेशकों के हितों के लिए नुकसानदेह है और प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत है। सेबी ने अपने सभी पंजीकृत मध्यस्थों और बाजार प्रतिभागियों को अपनी वेबसाइट, डिजिटल मंचों, ईमेल, एसएमएस और सोशल मीडिया सहित किसी भी संचार माध्यम पर आईपीओ के जीएमपी के आंकड़े प्रकाशित, प्रदर्शित या प्रसारित नहीं करने का निर्देश दिया है।

धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर ।

लार्डगंज और गोरखपुर थाना क्षेत्र में तीन सायबर ठगी के मामले सामने आए हैं7 लार्डगंज थाना क्षेत्र में ट्योरिन सोलर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 3 कर्मचारियों पर धोखाधड़ी कर दूसरी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा है। वहीं लार्डगंज में आईफोन दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 62 हजार 940 रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इसी प्रकार गोरखपुर थाना क्षेत्र में झाड़-फूंक के जरिए बीमारी और घरेलू परेशानियां दूर करने तथा धन दोगुना करने का झांसा देकर एक महिला से करीब 5 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है।

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार राइट टाउन निवासी 36 वर्षीय कंपनी संचालक अभिषेक बाधवा कंपनी के कर्मचारी सुमित सेन, सुभाष विश्वकर्मा और मोहम्मद फजल तबिश दूसरी कंपनियों के लिए भी काम कर रहे थे। कर्मचारियों ने कंपनी के नाम से फर्जी एनओसी तैयार कर दूसरी कंपनियों को सोलर प्लांट लगवाने का काम दिलाया। कंपनी के कंप्यूटर की जांच में 14-15 अन्य कंपनियों का डेटा और करीब 70-75 ऑर्डर से जुड़े काम के प्रमाण मिले। साथ ही कंपनी के डायरेक्टर के फोटो, फोटोशॉप से तैयार हस्ताक्षर, कंपनी की सील, ऑडिट रिपोर्ट और व्हाट्सएप चैट में पैसों के लेन-देन से जुड़े साक्ष्य मिलने की बात सामने आई।

इसी प्रकार राइट टाउन स्थित अतुल बिहार अपार्टमेंट निवासी 51 वर्षीय अरुण अग्रवाल गत 27 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे एक मोबाइल नंबर से उन्हें आईफोन दिलाने का ऑफर दिया गया था। इसके झांसे में आकर उन्होंने यूपीआई के माध्यम से 499 रुपए से शुरुआत करते हुए कुल 62 हजार 940 रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। रकम जमा कराने के बाद भी उन्हें आईफोन नहीं दिया गया। पीड़ित ने कई बार संबंधित व्यक्ति से अपने रुपए वापस मांगे, लेकिन वह गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी ने अपना नाम मनीष जैन बताया था। शिकायत के मुताबिक, रकम बाके बिहारी सर्विस सेंटर, राहुल खान, यकीन खान और वारिस हरसोनिया के खातों में जमा कराई गई थी।

इसी तरह गोरखपुर में ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी 48 वर्षीय आरती मेहरा कुछ समय से बीमार थी और घर में भी कई तरह की परेशानियां चल रही थीं।

दस्तावेज गुम करने पर एसबीआई को 60 लाख का चूना, बुजुर्ग की जीत

2019 में चुकाया था होम लोन, बैंक ने नहीं लौटाए थे संपत्ति के असली कागजात

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति को लगभग 60 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह फैसला बैंक द्वारा होम लोन का पूरा भुगतान करने के बावजूद संपत्ति के असली कागजात न लौटाने के एक लंबे समय से चले आ रहे मामले में आया है। कोर्ट ने बैंक को न सिर्फ मुआवजा देने, बल्कि जल्द से जल्द संपत्ति के पूरे दस्तावेज वापस करने का भी निर्देश दिया है। यह मामला अलीगढ़ के गुलवीर सिंह चौहान से जुड़ा है, जिन्होंने 1997 में एसबीआई की सिटी ब्रांच से होम लोन लिया था और अपनी संपत्ति का असली सेल डीड बैंक के पास गिरवी रखा था। चौहान ने 13 मई 2019 को अपना पूरा बकाया लोन चुका दिया और बैंक से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर लिया। हालांकि, इसके बावजूद बैंक बार-बार अनुरोध करने पर भी उनके असली दस्तावेज वापस नहीं कर पाया और अंततः स्वीकार किया कि दस्तावेज गुम हो गए हैं। दस्तावेजों के अभाव में चौहान को मालिकाना हक की पुष्टि करने, नया लोन लेने या संपत्ति हस्तांतरित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरकार, 13 जून 2023 को गुलवीर सिंह चौहान ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। कार्यवाही के दौरान एसबीआई ने दस्तावेज मिलने की बात तो स्वीकार की, लेकिन चौहान के आरोपों का खंडन किया। आयोग के अध्यक्ष हसनैन कुरैशी और सदस्य पूर्णिमा सिंह राजपूत ने बैंक के 13 फरवरी 2020 के पत्र की जांच की, जिससे पुष्टि हुई कि चौहान ने मई 2019 में ही सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि ऋण चुकाने के बाद भी दस्तावेज न लौटाना सेवा में कमी है।

जेएसडब्ल्यू मोटर्स और एआरएआई में नए ऊर्जा वाहन विकास हेतु समझौता

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू समूह की यात्री वाहन इकाई, जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) के संयुक्त विकास, परीक्षण और स्थानीयकरण के लिए ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य वाहनों और उनकी प्रणालियों के विकास के लिए मजबूत तकनीकी आधार तैयार करना, परीक्षण एवं नियामकीय तैयारियों को बेहतर बनाना है। कंपनी विशेष रूप से भारतीय परिचालन स्थितियों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और क्षमताओं का विकास करना चाहती है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल वाहन बनाना नहीं, बल्कि मजबूत स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं वाली विश्वस्तरीय भारतीय वाहन कंपनी बनाना है।

उन्होंने जोर दिया कि यह साझेदारी भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अगली पीढ़ी के परिवहन समाधान विकसित करने में तेजी लाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज



नई दिल्ली । झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8



रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।
शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं।
उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं।
झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।

आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।



शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन 67 गेंदों पर | **भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने**



इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।

प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।

प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।



भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।

टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । *पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह*

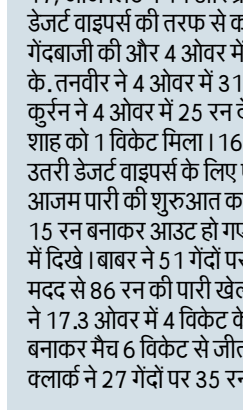

भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं। आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।

पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती। '

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।

वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे। '

उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।



प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी



नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।

पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।

पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।

फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं। '

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

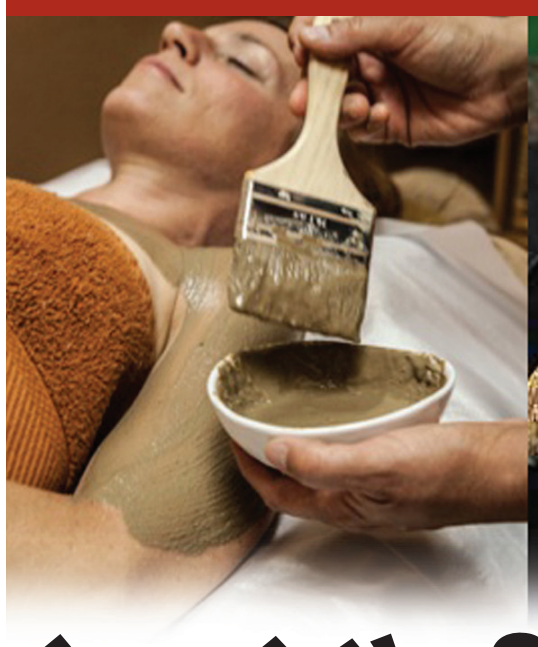

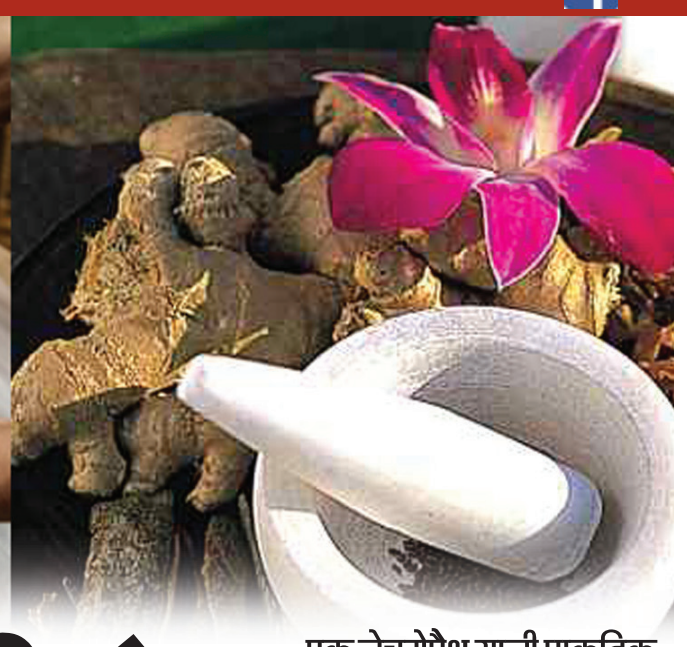

नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित किो समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।



संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

यहां करें पढ़ाई

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।



पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियंका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा हैं जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न



हिस्सों पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते हैं। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय में ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते हैं तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं



बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयों में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस में दाखिला ले सकते हैं।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनजीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूंढ सकते हैं या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसों में उपलब्ध है। इन कोर्सेस में दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्निचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार : उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम में बगावत, 3 विधायकों ने मांगा अलग गुट

पटना, एजेंसी। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत पर उतर आए है। सूत्रों के अनुसार, इन बागी विधायकों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर खुद को एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिससे पार्टी में आंतरिक संकट गहरा गया है।इस असंतोष की जड़ें तब से गहरी हुई हैं जब उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल कराया था। तब दीपक प्रकाश विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, जिस पर इन विधायकों ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की थी। बागी विधायकों का आरोप है कि पार्टी का कामकाज अब काफी हद तक पारिवारिक हितों से प्रेरित है। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में उनसे कोई सलाह नहीं ली जाती और चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय परिवार के सदस्यों, खासकर दीपक प्रकाश को प्राथमिकता मिलती है। इन विधायकों ने पहले भी पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों पर असहमति व्यक्त की थी, जिसके कारण उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ गईं। तीन विधायकों के अलग होने के बाद, अब उपेंद्र कुशवाहा के गुट में केवल उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा ही बची हैं।

देश में बढ़ी ठंड, कश्मीर और पहाड़ों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि मध्य प्रदेश का भोपाल 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में देश के कई हिस्सों में पारा 2 से 4 डिग्री तक और गिरने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां लखीमपुर में विजिबिलिटी 25 मीटर से कम रही। छत्तीसगढ़ में भी कोहरे के बीच अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों में ठंड और भी ज्यादा है। कश्मीर के छह शहरों में पारा शून्य से नीचे रहा, शोपियां में -3.9 डिग्री और श्रीनगर में -0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मणिमहेश झील 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत के साथ जम गई है। उत्तराखंड के चारों धामों, बद्रीनाथ और गंगोत्री में तापमान क्रमश : -11 और -14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 25 और 26 नवंबर को उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में घने कोहरे का जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी हित चिंतक अभियान शुरू, 5 करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूरे भारत में अपने महत्वाकांक्षी हित चिंतक अभियान का शुभारंभ किया है। 6 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत वीएचपी का लक्ष्य देश भर में 5 करोड़ से अधिक नए हित चिंतक (सदस्य) बनाना है। यह अभियान विभिन्न समुदायों तक पहुँच बनाकर संगठन की विचारधारा और कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगा। अभियान के तहत, वीएचपी ने सिर्फ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से 11 लाख हित चिंतक बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें नागपुर जिले और शहर से 1 लाख सदस्य शामिल हैं। विदर्भ प्रांत के 12,500 गांवों तक पहुंचने की योजना है, जहाँ हर जिले और बस्ती में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता दे रहे हैं। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री प्रशांत तितरे ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम 4-4 घंटे कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं।
इस अभियान से 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति महिला, पुरुष या युवा जुड़ सकता है, बशर्ते वह विश्व हिंदू परिषद और सनातन धर्म को मानता हो। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री तितरे ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल, पंथ या विचारधारा से संबंध रखने वाला व्यक्ति, यदि वह सनातनी है, तब इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। वीएचपी दुर्गम क्षेत्रों जैसे घाटी, मणिपुर और पूर्वी भारत के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बना रहा है।

रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत



हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।
सीएम रेंवत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेंवत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेंवत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।
बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी, एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुंचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।

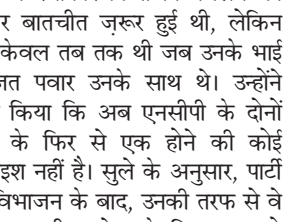

भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह

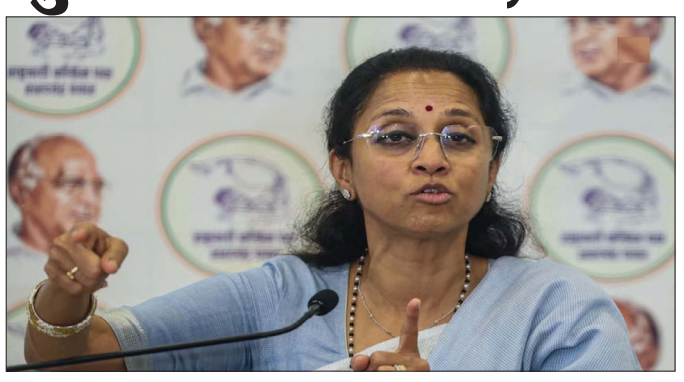

मुंबई , एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।
इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत ज़रूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गईं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

सफलता का मंत्र: वरिष्ठ वकील सिंघवी की सलाह, एआई से बचें शुरुआती 5 साल

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पांच बार के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों और लॉ छात्रों को वकालत के पेशे की कुछ बारीकियां साझा कीं। आज कल वकालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती दखल और कानूनी परिवारों से आने वाले नेपोटिज्म के फायदों के बीच, उन्होंने एक नए वकील के लिए अपनी जगह बनाने का स्पष्ट रास्ता बताया। डॉ. सिंघवी ने शुरुआत में ही स्पष्ट किया कि वे युवाओं को उपदेश देने नहीं, बल्कि अपने अनुभव साझा करने आए हैं, क्योंकि सलाह युवाओं को पसंद नहीं आती। हालांकि, उन्होंने नई पीढ़ी की तकनीकी समझ और संसाधनों की सराहना की, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं।
कानून के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र बताकर डॉ. सिंघवी ने कहा कि निरंतर परिश्रम और धैर्य का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, मेहनत, और ज्यादा मेहनत और उससे भी ज्यादा मेहनत, यही मेरी सफलता का मंत्र है। वकालत में 99 फीसदी मेहनत है और सिर्फ 1 फीसदी प्रेरणा का खेल होता है। कानूनी कामकाज में एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने बेहद संतुलित और व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने खुद को तकनीक का दिल से समर्थक बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इस तकनीक को अपना मालिक नहीं बनने दे सकते। खासतौर पर युवा वकीलों को उन्होंने सलाह दी, मैं कानूनी दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग के लिए एआई के इस्तेमाल का समर्थन नहीं करता, खासकर करियर के शुरुआती पांच साल आपको ड्राफ्टिंग खुद करनी चाहिए।
डॉ. सिंघवी ने बताया कि समय के साथ कानून के पेशे को लेकर समाज का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां कानूनी करियर का आखिरी विकल्प माना जाता था, वहीं आज यह छात्रों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने वकालत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को बताकर कहा कि वे अब शानदार काम कर रही हैं। कानूनी पृष्ठभूमि से आने वाले वकीलों को मिलने वाले शुरुआती लाभ पर उन्होंने बेबाक राय रखकर माना कि पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरुआती मंच जरूर मिल सकता है, लेकिन एक या दो केस के बाद सभी वकील एक ही स्तर पर खड़े होते हैं और असली पहचान काम और अनुभव से ही बनती है। उन्होंने जोड़ा कि अब पारिवारिक पृष्ठभूमि का यह फायदा धीरे-धीरे कम हो रहा है।
एक वकील की नैतिकता और भूमिका पर बात कर डॉ. सिंघवी ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को अपने क्लाइंट के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जीवन और कानून हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते, बल्कि ग्रे (मिश्रित परिस्थितियों वाले) होते हैं। उन्होंने कहा, एक वकील को न अपना मुवक्किल चुनना चाहिए और न ही उस जज करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई इसतरह के केस लेने से इंकार किया है, जहां उन्हें लगा कि अदालत में वे दलीलें नहीं टिक पाएंगी। अपनी प्रेरणा के स्रोत के बारे में पूछने पर डॉ. सिंघवी ने अपने पिता को याद किया, जो स्वयं एक वकील और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने युवाओं को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ने की सलाह दी, क्योंकि उनसे जीवन की दिशा और प्रेरणा मिलती है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उन्होंने बताया कि वे वकालत, राजनीति, मीडिया संवाद और अपने अध्ययन के बीच लगातार संतुलन बनाते हैं, और वे हमेशा से शिक्षक बनना चाहते थे, जिसका प्रमाण उनके विश्वविद्यालयों में दिए जाने वाले व्याख्यान हैं।

जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर को किया बर्बाद... नहीं बनेगा पवित्र अमरनाथ शिवलिंग

बीआरओ की कार्रवाई को लेकर केंद्र पर बरसी महबूबा

श्रीनगर , एजेंसी। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शेषनाग झील जाते समय पुलिस ने रोक दिया। वे वायरल वीडियो की जांच करने जा रही थीं, जिसमें अमरनाथ यात्रा मार्ग पर भारी मशीनों और खुदाई का काम दिखाया गया है। पूर्व सीएम महबूबा ने चेतावनी दी कि यदि हिमालय के नाजुक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया गया, तब अमरनाथ शिवलिंग का बनना असंभव होगा।
चंदनवाड़ी से शेषनाग तक पैदल जाने की कोशिश कर रहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शेषनाग में जो हो रहा है, वह बहुत डरावना है, जहां बड़ी मशीनों और बुलडोजरों का इस्तेमाल हो रहा है। उनके अनुसार, जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर अमरनाथ शिवलिंग के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उन्हें नष्ट करने से पवित्र परंपरा का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा। पीडीपी नेता महबूबा ने शेषनाग को हिंदू परंपरा और कश्मीरियत का प्रतीक बताकर कहा कि यह विकास के नाम पर परिदृश्य को बदलने का प्रयास है, जैसा कि उत्तराखंड में भी किया गया है।



यह खुदाई सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा अमरनाथ यात्रा कॉरिडोर के विस्तार से जुड़ी है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता को देखकर विरोध हो रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने क्षेत्र में भारी मशीनों के उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भूस्खलन की आशंका जाहिर की है, क्योंकि यह क्षेत्र अस्थिर भू-भाग और ढीले हिमनद मलबे से घिरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदाई और कंपन से लिद्दर नदी के पानी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है, जिसका शेषनाग झील प्रमुख स्रोत है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग का 85 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन के लिए संवेदनशील है।
महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मामले में हस्तक्षेप करने और कश्मीर के नाजुक हिमालयी पर्यावरण से समझौता न करने की अपील की है। वहीं, बीआरओ ने वायरल वीडियो पर अपनी स्थिति साफ कर कहा है कि यात्रा के बाद ट्रैक चौड़ा करने का काम निर्धारित सुरक्षा और पर्यावरण नियमों के तहत हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्य मौजूदा ट्रैक तक ही सीमित है और भीड़ में भगदड़ जैसी स्थितियों से बचने के लिए ट्रैक का चौड़ा होना आवश्यक है। बीआरओ ने आश्वस्त किया कि कमजोर हिस्सों को स्थिर किया जा रहा है, खुदाई की मिट्टी का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है और प्राकृतिक जल निकासी की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दिलजीत दोसांझ के बेंगलुरु कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु , एजेंसी। सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी बेंगलुरु कॉन्सर्ट से पहले सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। पुलिस को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमले की बात कही गई है। 29 नवंबर को होने वाले शो को लेकर दर्शकों में जहां भारी उत्साह था, वहीं इस धमकी ने लोगों में सतर्कता और सवाल दोनों पैदा कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह ईमेल धारवाड़ के पुलिस कमिश्नर को भेजा गया है। इसमें बेंगलुरु के मादावरा में एनआईसीई रोड ग्राउंड पर होने वाले कॉन्सर्ट को निशाना बनाने का जिक्र है। धमकी भरे संदेश में खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखा गया है और शो के दौरान आईईडी धमाके की चेतावनी दी गई है। ईमेल में आम लोगों के लिए कई चेतावनियां भी थीं, जैसे बच्चों को कॉन्सर्ट में न लाने, आईफोन पर आने वाली कॉल का जवाब न देने और मेट्रो से सफर से बचने की अपील।

जेवर एयरपोर्ट के नामकरण पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर प्रहार... इतनी जल्दी में क्यों हैं

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के फैसले को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस पार्टी ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मोदी को हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने की इतनी जल्दी में क्यों हैं, और क्या उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत को लेकर कोई बेचैनी महसूस हो रही है?
दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट के द्वारा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने काम और फैसलों के जरिए एक मजबूत विरासत बनाने के बजाय, पद पर रहते हुए ही हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने में लगे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का जिक्र कर कहा कि इसका उद्घाटन समारोह संपन्न हो चुका है, लेकिन अब तक एक भी तय अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू नहीं हुई है और यात्रियों की आवाजाही भी सुस्त है। इसके बावजूद, इसका नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नोएडा-जेवर' रख दिया गया है। उन्होंने अहमदाबाद के 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' का हवाला देकर तंज कसते हुए पूछा कि अगला नंबर किसका होगा?
कांग्रेस नेता ने कहा कि सवाल केवल नामकरण का नहीं, बल्कि इस बात का है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी विरासत बनाने के लिए अपने काम और फैसलों पर भरोसा करने के बजाय बड़ी परियोजनाओं पर अपना नाम दर्ज कराने की जल्दी में क्यों हैं। उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि कहीं यह इस बात की बेचैनी, नहीं कि कुर्सी छूटने के बाद कोई उनका नाम लेने वाला भी नहीं होगा।
कांग्रेस नेता रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का उदाहरण देकर बताया कि जनवरी 1949 में नेहरू ने हैदराबाद के फतेह मैदान का नाम अपने नाम पर रखने से इंकार किया था। इस तरह, दिसंबर 1956 में जम्मू-कश्मीर की बनिहाल सुरंग का नाम उनके सम्मान में रखने के प्रस्ताव को भी उन्होंने रोक दिया था। कांग्रेस महासचिव ने एम सी छागला की आत्मकथा 'रोजेज इन दिसंबर' का हवाला देकर बताया कि 1960 के दशक की शुरुआत में जब तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री छागला ने राजधानी में प्रस्तावित दूसरे विश्वविद्यालय का नाम नेहरू के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया, तब उन्होंने तत्काल इस बात को खारिज कर दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में गजब का नियम, बच्चों के लिए एआई पर रोक, शिक्षकों को चैटजीपीटी से कॉपियां जांचने की छूट; छिड़ी बहस

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में शिक्षकों को अब परीक्षा के महत्वपूर्ण कोर्सवर्क (गृहकार्य व प्रोजेक्ट कार्य) की कॉपियां जांचने के लिए चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। द मेल ऑन संडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दिशानिर्देश की शिक्षाविदों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे बेहद शर्मनाक करार दिया है। शिक्षाविदों का कहना है कि एक तरफ छात्रों को चेतावनी दी जाती है कि यदि वे कोर्सवर्क तैयार करने के लिए एआई टूल्स का उपयोग करते हैं तो उन्हें सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में परीक्षा बोर्डों की निगरानी करने वाली संस्था ज्वाइंट काउंसिल फॉर क्वालिफिकेशंस (जेसीक्यू) ने चुपचाप यह नियम बना दिया है कि शिक्षक कॉपियां जांचने के लिए एआई की मदद ले सकते हैं। लंदन के प्रतिष्ठित गर्ल्स स्कूल सेंट पॉल्स के इनोवेशन निदेशक डॉ. विल वैन रेक ने हाल ही में जारी इस दिशानिर्देश को बेतुका बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी लक्ष्मण रेखा को पार करता है जिसे कभी पार नहीं किया जाना चाहिए था। डॉ. वैन रेक ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि फिलहाल इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि शिक्षक किन एआई टूल्स का उपयोग कर सकते हैं और न ही शिक्षकों को इनके इस्तेमाल का कोई प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ये कोई विशेष रूप से तैयार किए गए चैटबॉट्स भी नहीं हैं, शिक्षक छात्रों का कोर्सवर्क चैटजीपीटी या माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे सामान्य बॉट्स में डालेंगे। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मुख्यधारा का कोई एआई चैटबॉट कॉपी जांचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

सऊदी के अहम ठिकानों पर हूती का हमला जारी, यमन के समूह का दावा, ऑयल रिफाइनरी और रडार सिस्टम को बनाया निशाना

सना, एजेंसी। यमन के हूती समूह ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। उनके मुताबिक, सऊदी अरब के लाल सागर तट पर स्थित एक तेल रिफाइनरी और राजधानी रियाद के दक्षिण में मौजूद एक रडार फैसिलिटी को निशाना बनाया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सीमा पार शत्रुता बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट किए बयान में, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि दो अभियान चलाए गए थे। पहले ऑपरेशन में लाल सागर तट पर स्थित राबिघ तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया और दावा किया कि यह सीधा निशाना था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे ऑपरेशन में रियाद के दक्षिण में वादी अद-दवासिर स्थित एक रडार केंद्र को दो चरणों में निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इस ऑपरेशन में काफी सफलता मिली। सरिया ने इस्तेमाल किए गए हथियारों या हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। हाल के दिनों में, हूती लड़ाकों ने सऊदी हवाई अड्डों, तेल प्रतिष्ठानों और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती मीडिया ने यमन भर में सऊदी हवाई हमलों के तेज होने की खबर दी है।

ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव, राजा बनते ही हैरी की शाही उपाधियां छीन लेंगे विलियम; नई किताब में सनसनीखेज दावा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव के बीच एक नई किताब ने दुनियाभर में हलचल मचा दी है। शाही परिवार के मामलों के जानकार और जाने-माने शाही लेखक टॉम साइक्स ने अपनी किताब ड्यूक्स ऑफ हैजर्ड में दावा किया है कि प्रिंस विलियम राजा बनते ही राजशाही में एक क्रांतिकारी बदलाव की योजना बना रहे हैं। नए नियम से उनके नाराज भाई प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन मर्केल और दोनों बच्चों सात वर्षीय आर्ची और पांच वर्षीय लिलिबेट से प्रिंस और प्रिंसेस की उपाधियां छिन जाएंगी। यही नहीं प्रिंस हैरी और उनके परिवार तो एचआरएच (हिज या हर रॉयल हाइनेस) कहलाने का भी अधिकार नहीं रहेगा। योजना का असर प्रिंस विलियम के अपने बच्चों पर भी पड़ेगा। विलियम के दोनों छोटे बच्चों 11 वर्षीय प्रिंसेस शार्लट और आठ वर्षीय प्रिंस लुइस को भी बालिग होने पर यह चुनने की आजादी दी जाएगी कि वे राजशाही के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में काम करना चाहते हैं या उपाधियां छोड़कर अपना स्वतंत्र करियर बनाना चाहते हैं। वैसे, भविष्य के राजा के रूप में प्रिंस जॉर्ज की भूमिका पहले से तय है, किताब के अनुसार, प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम की इस सोच के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि शाही उपाधियों को जन्म से मिलने वाले किसी विशेषाधिकार के बजाय एक नौकरी वाले पद की तरह बनाया जाए।

विधायक को कोई छिपकली तो कोई एलियन क्यों बताने लगा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस; अब नेता ने दिया जवाब

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक नेता को लेकर अजीब विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें छिपकली जैसा जीव बता दिया। इसकी वजह उनका एक वीडियो है। इसमें उनकी आंखों की हरकत देखकर लोगों ने साजिश की थ्योरी फैलानी शुरू कर दी। अब नेता ने इन आरोपों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि वह साफ तौर पर एक इंसान हैं। उनके काम से भी उनकी इंसानियत साबित होती है।



यह मामला शुक्रवार का है। उस दिन न्यूयॉर्क के सिटी हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी। इसमें राइकर्स आइलैंड जेल को बंद करने की योजना पर बात हो रही थी। इस दौरान न्यूयॉर्क के 70वें विधानसभा क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायक जॉर्डन राइट (32 वर्षीय) भीड़ में खड़े थे। वह हार्लेम इलाके का प्रतिनिधित्व करते हैं। साजिश की थ्योरी फैलाने वाले लोगों ने इसी कार्यक्रम का वीडियो देखा। इसमें राइट पहले हल्का मुस्कुराते दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने पलकें झपकाईं। फिर उनकी आंखें ऊपर की ओर घूम गईं। उस समय मेयर जोहरान ममदानी पत्रकारों से बात कर रहे थे।

वीडियो देखकर लोगों ने क्या दावा किया : सोशल मीडिया पर एक साजिश की थ्योरी फैलाने वाले व्यक्ति ने राइट का वीडियो साझा किया। उसने कहा, छिपकलियां इसी तरह पलकें झपकाती हैं। मुझे पूरा यकीन है कि मेन इन ब्लैक वाले एलियन सचमुच हमारे बीच इंसानों के भेष में घूम रहे हैं। वे सबके सामने मौजूद हैं, लेकिन किसी को दिखाई नहीं देते। इस वीडियो के बाद राइट को लेकर तरह-तरह के दावे किए जाने लगे। कुछ लोगों ने उन्हें इंसान के भेष में छिपकली जैसा जीव बताया।

जॉर्डन राइट ने क्या जवाब दिया : राइट ने एक अखबार को दिए बयान में इन दावों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके विधायक के तौर पर किए गए काम से साफ है कि वह इंसान हैं। राइट ने कहा, मुझे बिल्कुल पता नहीं कि उस वीडियो में क्या हो रहा था। मैं सचमुच नहीं जानता। उन्होंने आगे कहा, जाहिर है कि मैं एक इंसान हूं। मेरी इंसानियत मेरे कानून बनाने के काम से दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, मैंने हार्लेम में वी एक्ट एनवायरनमेंटल जस्टिस सेंटर के लिए 40 लाख डॉलर दिलाए हैं। मैं किसी छिपकली या एलियन के बारे में कुछ नहीं कह सकता। दरअसल, राइट ने इस केंद्र के लिए 40 लाख डॉलर की राशि दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह रकम राज्य की विकास परियोजनाओं के लिए तय बजट से दी गई है। यह केंद्र पश्चिमी हार्लेम में बनाया जा रहा है। इसका निर्माण अभी जारी है।

कौन हैं जॉर्डन राइट: राइट मैनहट्टन डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कीथ एलटी राइट के बेटे हैं। वह मौजूदा विधायक हैं। नवंबर में हुए चुनाव में उन्होंने दोबारा जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह 70वें विधानसभा क्षेत्र के विधायक बने रहे। इस क्षेत्र में मैनहट्टनविल, हैमिल्टन हाइट्स का कुछ हिस्सा और मध्य हार्लेम का ज्यादातर इलाका शामिल है।

जून में डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर हुए चुनाव में राइट ने डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट कॉनराड ब्लैकबर्न को हराया था। इसके बाद आम चुनाव में उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतरा। ऐसे में उन्होंने बिना मुकाबले जीत दर्ज की।

राइकर्स आइलैंड जेल को लेकर क्या योजना बनी है : शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क की जेलों में कैदियों की संख्या घटाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में कैदियों की संख्या 2,500 तक कम की जाएगी। उन्होंने राइकर्स आइलैंड जेल को 2032 तक बंद करने की बड़ी योजना भी पेश की। हालांकि, इस योजना के लिए नगर परिषद की मंजूरी जरूरी होगी। इसके तहत जेल बंद करने की समयसीमा पांच साल आगे बढ़ाई जाएगी। योजना के मुताबिक, 2032 तक जेलों का पूरा नेटवर्क बंद कर दिया जाएगा। तब तक छोटी जेलों का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।

छिपकली बताने की साजिश की थ्योरी कहां से आई : राजनेताओं के गुप्त रूप से छिपकली जैसे जीव होने की साजिश की थ्योरी नई नहीं है। 20वीं सदी में इसे साजिश की कहानियों पर यकीन करने वाले लोगों ने लोकप्रिय बनाया था। इस तरह की कहानियां लेखक रॉबर्ट ई. हॉवर्ड की कॉनन द बार्बेरियन कहानियों में भी मिलती हैं। इनमें छिपकली जैसे इंसानों को लोगों के दिमाग पर नियंत्रण करते दिखाया गया है। यह थ्योरी आज भी इंटरनेट पर फैल रही है।

मिनेसोटा पर कब्जा कर लिया, 95 प्रतिशत लोग सरकारी मदद पर निर्भर, सोमाली समुदाय पर ट्रंप का आरोप; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोमाली समुदाय पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समुदाय ने मिनेसोटा राज्य पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि इस समुदाय का राज्य पर पूरी तरह नियंत्रण है। इसके करीब 95 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की सरकारी मदद पर निर्भर हैं। ट्रंप ने लिखा, यह हैरान करने वाली बात है कि सोमाली लोग पहले कभी महान रहे मिनेसोटा राज्य पर पूरी तरह कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। राज्य पूरी तरह उनके नियंत्रण में है। उनमें से करीब 95 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की सरकारी मदद पर निर्भर हैं। अमेरिका को फिर से महान बनाओ! ट्रंप की ताजा टिप्पणियों का केंद्र सोमालिया से आए प्रवासी और उनके परिवार हैं। सोमालिया पूर्वी अफ्रीका का एक देश है। यहां लंबे समय से संघर्ष जारी है। इस साल मई में ट्रंप ने फ्लोरिडा के द विलेजेज में भी सोमालिया पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, सोमालिया एक खूबसूरत जगह है। वहां न सरकार है, न सेना और न ही कुछ और। वहां सिर्फ एक चीज बहुत है- अपराध। वहां बहुत अपराध होता है। उनके पास पुलिस भी नहीं है। वे बस एक-दूसरे पर गोली चलाते रहते हैं। वह जगह गंदी, बेहद गंदी और घिनौनी है। वह एक भयानक जगह है। इल्हान उमर को ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने शुक्रवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर पर भी तीखा हमला किया। इल्हान उमर मिनेसोटा के पांचवें संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। ट्रंप ने उन्हें ढोंगी बताया। अमेरिकी सांसद की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा, इल्हान उमर... सोमालिया से यहां आती हैं और हमें बताती हैं कि अमेरिका को कैसे चलाना है। वह कहती हैं कि संविधान मुझे अधिकार देता है। मुझे ये अधिकार मिलने ही चाहिए। यहां से दफा हो जाओ। कैसी ढोंगी है! कांग्रेस सदस्य पर निजी हमला जारी रखते हुए ट्रंप ने कहा, मेरा मानना है कि उन्होंने अपने भाई से शादी की थी। यह पूरी तरह गैरकानूनी है। हालांकि, वह एक प्यारा जोड़ा हैं। लेकिन यह थोड़ा गैरकानूनी है। प्रिय, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। शुभ रात्रि, भाई। चलो सोने चलते हैं। क्या वह घिनौनी नहीं हैं? ट्रंप और इल्हान के बीच पहले भी हो चुका है टकराव दोनों नेताओं के बीच यह पहली बार टकराव नहीं हुआ है। इससे पहले सितंबर 2025 में इल्हान उमर ने ट्रंप पर तीखा हमला किया था। उन्होंने ट्रंप को झूठा और मसखरा कहा था। दरअसल, ट्रंप ने झूठा दावा किया था कि उन्होंने इल्हान उमर को अमेरिका से निर्वासित करने के बारे में सोमालिया के राष्ट्रपति से बात की है। मिनेसोटा की सांसद इल्हान उमर ट्रंप की आव्रजन नीतियों की मुखर आलोचक रही हैं।

लुइसियाना में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रक से टकराई यात्री ट्रेन, दो डिब्बे पटरी से उतरे; क्या थी वजह?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में रविवार शाम एक बड़ा रेल हादसा हुआ। करीब 100 लोगों को लेकर जा रही एमट्रैक यात्री ट्रेन एक ट्रक से टकरा गई। यह ट्रक बुलडोजर ले जा रहा था। अधिकारियों ने हादसे की जानकारी दी। यह दुर्घटना स्थानीय समय के अनुसार शाम करीब छह बजे हुई। यह हादसा अमेरिकी राजमार्ग 90 पर थ्रू-वे पार्क रोड के पास हुआ। यह रास्ता लाफायेट और ब्रूसार्ड को जोड़ता है। लाफायेट पुलिस विभाग के मुताबिक, रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन एक फ्लैटबेड ट्रक से टकरा गई। ट्रक पर भारी निर्माण उपकरण लदा था। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेन के पहले दो यात्री डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के समय ट्रेन में कुल 96 यात्री और रेलवे कर्मचारी सवार थे। लाफायेट पैरिश के अलग-अलग इलाकों से आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने यात्रियों की मदद की। साथ ही, घायलों की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों के मुताबिक, चार यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उन्हें ऐसी चोटें आई थीं, जिनसे जान को खतरा नहीं था। कई अन्य लोगों की भी मौके पर जांच की गई। इनमें ट्रेन के कर्मचारी भी शामिल थे। उन्हें मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने हादसे वाली जगह के पास अमेरिकी राजमार्ग 90 की पूर्व दिशा वाली दाईं लेन बंद कर दी। इस दौरान आपातकालीन टीमें और रेलवे कर्मचारी मौके से मलबा हटाने में जुट गए। लाफायेट पुलिस विभाग और रेलवे सुरक्षा अधिकारी हादसे की जांच कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि ट्रेन के आने के समय ट्रक रेलवे क्रॉसिंग पर क्यों मौजूद था। घटनास्थल की तस्वीरों में ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा हुआ दिखाई दिया। ट्रक और उस पर लदे निर्माण उपकरण भी क्षतिग्रस्त हुए। अधिकारी रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर पटरी से उतरे डिब्बों को सुरक्षित करने में जुटे हैं। साथ ही, रेलवे ट्रैक को साफ किया जा रहा है।

ट्रंप ने एनवीडिया में हुआंग की वापसी का फिर किया समर्थन, चीनी जासूसी कनेक्शन के आरोपों से बढ़ा विवाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग की कंपनी में वापसी का खुलकर समर्थन किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एनवीडिया का निदेशक मंडल जेनसन हुआंग को फिर से नियुक्त करेगा। उन्होंने इसे कंपनी और अमेरिका के लिए सबसे अच्छी बात बताया। राष्ट्रपति का यह समर्थन एक बड़े विवाद के बीच आया है।

जासूसी के आरोप और खुफिया खुलासे : एक अमेरिकी समाचार पत्र ने रिपोर्ट दी थी कि एलिस हुआंग नामक एक कथित चीनी जासूस का चीन की शीर्ष जासूसी एजेंसी के एक अधिकारी से संपर्क था। यह संपर्क एक साल से अधिक समय



तक बना रहा। इसी दौरान वह जेनसन हुआंग के साथ गुप्त संबंध में थी। रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के कई जानकार लोगों का हवाला दिया। इन रिपोर्टों में बताया गया है कि एलिस हुआंग 2025 के वसंत से इस साल के पतझड़ तक चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के संपर्क में थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह भी सबूत जुटाए हैं कि एलिस हुआंग का कारोबारी साझेदार, कांग वेई, भी उसी चीनी जासूसी एजेंसी के साथ काम करता था। कांग वेई को अक्सर एलिस हुआंग के पति के रूप में पेश किया जाता था।

जांच और नियामक कार्रवाई : अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक जे क्लेटन ने पहले पुष्टि की थी कि एलिस हुआंग और उनकी कंपनी, मेगास्पीड, की जांच जारी है। क्लेटन ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि एलिस हुआंग और मेगास्पीड दोनों की जांच नियामक कार्रवाई के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी जनता को इस मामले में जवाब मिलेंगे जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा। क्लेटन ने उम्मीद जताई कि एनवीडिया का निदेशक मंडल इस स्थिति की समीक्षा करेगा। उन्होंने ऐसी समीक्षा को चल रहे घटनाक्रम के बीच एक जिम्मेदार कदम बताया। क्लेटन के अनुसार, यह वही है जो अमेरिकी जनता उनसे सुनना चाहती है।

कंपनी का रुख और जेनसन का भविष्य : एनवीडिया के निदेशक मंडल और अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी कोलेट क्रेस दोनों ने जेनसन हुआंग की कंपनी में बहाली को खारिज कर दिया है। यूएस कांग्रेस द्वारा बढ़ते दबाव के बीच, राष्ट्रपति का समर्थन जेनसन हुआंग की वापसी के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है। जेनसन हुआंग से 1 दिसंबर को तीन हाउस समितियों के सामने गवाही देने की उम्मीद है। यह गवाही इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कंपनी के शीर्ष व्यवस्था में उनकी वापसी की संभावनाएं अब काफी कम दिख रही हैं।

ईरान पर हमले से फिर भड़क उठेगी जंग, आईडीएफ की नेतन्याहू को चेतावनी, लेबनान और सीरिया का क्यों किया जिक्र

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर हमले की स्थिति में सामने आने वाले नतीजे से रूबरू कराया है। चेतावनी दी है कि ईरान पर हमले से एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ सकता है। द टाइम्स ऑफ इस्राइल की एक रिपोर्ट में इसका जिक्र है। टेलीविजन नेटवर्क चैनल 12 की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि, पिछले हफ्ते नेतन्याहू और वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के बीच एक बंद कमरे में हुई बैठक में इसके नतीजे पर बात किया। कथित तौर पर इस समय ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्पों पर इजरायल गंभीरता से विचार कर रहा है। सैन्य खुफिया विभाग ने चेतावनी दी है कि इस्राइल के हमले से



लेबनान, सीरिया और गाजा सहित कई मोर्चों पर संघर्ष छिड़ सकता है। यह नेतन्याहू और इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के उस अनुमान के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि यह अभियान तीन से पांच दिनों तक ही सीमित रह सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विपक्षी नेता एविग्डोर लिबरमैन ने हाल ही में इस बात का संकेत दिया था कि नेतन्याहू अमेरिका की मंजूरी के बिना ही एकतरफा हमला कर सकते हैं। लिबरमैन ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस समय इस्राइल का कोई भी हमला अनुचित होगा और यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित होगा। आईडीएफ ने बंद कमरे की बैठकों में की गई चर्चा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

नेतन्याहू ने ट्रंप से क्या आग्रह किया? एक अज्ञात सूत्र के हवाले से (प्रसारक कान की रिपोर्ट) कहा गया है कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान पर ÷जल्द से जल्द÷ हमला करने का आग्रह कर रहे थे। हालांकि, राष्ट्रपति ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है और बताया जा रहा है कि वे ऐसा करने के इच्छुक नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में, नेतन्याहू ने एक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की अपनी मांग दोहराई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू कर रहा है और केवल एक व्यापक गठबंधन ही इस्राइल के लिए मौजूद इस खतरे को खत्म कर सकता है। पहले से रिकॉर्ड किए गए एक संबोधन में, नेतन्याहू ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट से आग्रह किया कि वे बिना किसी पूर्व शर्त के गठबंधन वार्ता में शामिल हों। नेतन्याहू ने कहा, ईरानी शासन, जो इस्राइल को नष्ट करना चाहता है, एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है।

ईरान-अमेरिका संघर्ष, गालिबाफ ने कहा- न जंग, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए ठोस कदम जरूरी; ट्रंप क्या बोले?



तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने देश में न युद्ध, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए स्पष्ट और ठोस कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश में एकता जरूरी है। साथ ही, सैन्य ताकत के जरिये दुश्मनों को रोकने की क्षमता बनाए रखना भी जरूरी है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। गालिबाफ ने इस्लामी सलाहकार सभा की समन्वय परिषद की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को राजनीतिक चर्चा या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से खत्म नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, न युद्ध, न शांति की स्थिति को राजनीति के जरिये खत्म नहीं किया जा सकता। एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाना इस स्थिति को खत्म करने का तरीका नहीं है। देश को स्पष्ट और ठोस फैसले और कदम उठाने की जरूरत है।

सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मौजूदा स्थिति खत्म करने पर जोर दिया है। इसका जिक्र करते हुए गालिबाफ ने कहा कि देश को पुरानी बातों और राजनीतिक चर्चाओं में नहीं उलझना चाहिए। उन्होंने कहा, एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाने से स्थिति का समाधान नहीं होगा। गालिबाफ ने कहा, ईरान अपने विरोधियों को सैन्य कार्रवाई से रोकने की ताकत हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा, इसका श्रेय सशस्त्र बलों की बलिदान भावना, कमांडर-इन-चीफ की समझदारी, इच्छाशक्ति और विवेक को जाता है। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद अमेरिका ने अपनी प्राथमिकता बदल दी है। अब अमेरिका ईरान की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने पर ध्यान दे रहा है। वह आर्थिक दबाव बना रहा है। अमेरिका ईरान को अंदर से कमजोर कर उसे गिराने की कोशिश कर रहा है। गालिबाफ ने कहा, दुश्मन की इस योजना का मुकाबला करने के लिए देश में एकता और एकजुटता जरूरी है। साथ ही, दुश्मन को रोकने की सैन्य क्षमता भी लगातार बनाए रखनी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ के आदेश को पूरा करना भी होगा। उन्होंने कहा, अगर हम अपने प्यारे ईरान और उसके लोगों को दुश्मन के खतरे से बचाना चाहते हैं।

कनाडा में ट्रंप का हमशक्ल, मीडिया डिनर में पीएम कार्नी से लेकर ट्रूडो पर कॉमेडियन ने ली चुटकी, देखें वीडियो

टोरंटो, एजेंसी। ओटावा में कनाडा के वार्षिक पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर में डोनाल्ड ट्रंप जैसा दिखने वाले एक व्यक्ति ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उसने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पर हल्के-फुल्के तंज कसे, उनकी लोकप्रियता को लेकर मजाक उड़ाया और यहां तक कि उनके रूप-रंग पर भी एक मजेदार टिप्पणी कर दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह कपड़े पहने और उन्हीं के अंदाज में बोलने वाले इस व्यक्ति ने शनिवार, 21 नवंबर को आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मंच संभाला। उसने मार्क कार्नी और उनकी राजनीतिक स्थिति पर जिस तरह से अपनी बात रखी, उसे सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े।

ट्रंप की नकल उतारते हुए क्या कहा : ट्रंप की नकल उतारते हुए उस व्यक्ति ने कहा, फर्जी खबर। यहां हमारे पास दो कार्नी हैं। यह तो एक आपदा है। क्या यह अविश्वसनीय नहीं है? दो कार्नी! वह इतना लोकप्रिय है, लगभग मेरे जितना ही लोकप्रिय। इसके बाद उसने टेलीविजन सीरीज हीटेड राइवलरी का जिक्र किया और फिर कनाडाई प्रधानमंत्री के हुलिए पर बात की।

कार्नी ने भी कसा तंज : परफॉर्मर ने ट्रंप के जाने-पहचाने मजबूत हैंडशेक की भी नकल की, और मंच पर कार्नी तथा एक अन्य नकलची के साथ हाथ मिलाया।



इस नकलची का पूरा एक्ट ट्रंप के जाने-पहचाने अंदाज पर आधारित था, जिसमें उसने ट्रंप के बोलने के तरीके, हाव-भाव और उनके खास हैंडशेक स्टाइल की नकल की। कार्नी ने भी इस परफॉरमेंस में पूरा साथ दिया, जबकि ट्रंप जैसा दिखने वाला यह व्यक्ति उनकी लोकप्रियता और उनके रूप-रंग का मजाक उड़ा रहा था। जब उस नकलची ने पूछा कि किसे उनका प्रेस सेक्रेटरी बनना चाहिए, तो कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी एक मजेदार टिप्पणी की। कार्नी ने इस मौके का फायदा उठाते हुए कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे पर तंज कसा।

कनाडा का पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर क्या है : कनाडा में हर साल होने वाला पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर पत्रकारों और राजनेताओं को एक साथ लाता है, जहां एक शाम हंसी-मजाक और राजनीतिक व्यंग्य का माहौल होता है। इस औपचारिक कार्यक्रम में अक्सर अलग-अलग पार्टियों के नेता मजेदार भाषण देते हैं, जिसमें वे खुद का, अपने राजनीतिक विरोधियों का और साल भर की घटनाओं का मजाक उड़ाते हैं। इस साल के डिनर में ट्रंप जैसे दिखने वाले व्यक्ति के आने से एक दिलचस्प मोड़ आ गया, और अमेरिकी राष्ट्रपति की शैली में कार्नी को मजाक का मुख्य केंद्र बनाया गया। इसक् साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अमेरिकी पॉप स्टार केटी पेरी के संबंधों पर निशाना साधा। उन्होंने मजाक में कहा कि ट्रूडो ने एक फीकी पड़ चुकी पॉप राजकुमारी के साथ ठीक वैसा ही बर्ताव किया है, जैसा उन्होंने सत्ता में अपने दस वर्षों के दौरान कनाडा के साथ किया था। इस टिप्पणी की ऑनलाइन आलोचना हुई। लोगों ने इसे महिला-विरोधी और पेरी का अपमान करने वाला बताया। कनाडा में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की प्रतिनिधि और सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज, गवर्नर जनरल लुईस आर्बर ने कार्नी की बहुत ज्यादा विदेश यात्राओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि भगवान और मार्क कार्नी में क्या अंतर है? भगवान हर जगह मौजूद हैं, जबकि मार्क कार्नी ओटावा को छोड़कर हर जगह मौजूद रहते हैं, जबकि उन्हें ओटावा में ही होना चाहिए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नशीले इंजेक्शन और टैबलेट के साथ एक आरोपी दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले की शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन की 92 टैबलेट (8.55 ग्राम) तथा फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन की 26 शीशियां बरामद हुई हैं। पुलिस आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि 20 नवंबर को शाहबाद डेयरी थाने की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-26 रोहिणी में ग्राम सभा की पीछे खाली जमीन के पास एक युवक को बैग लेकर संदिग्ध हालात में जाते देखा। पुलिसकर्मियों को देखकर वह तेजी से वहां से निकलने लगा। पुलिस टीम ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरेश बताया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली। उसमें टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियां रखी थीं। जांच करने पर टैबलेट पर ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन सबलिंगुअल टैबलेट आईपी (वर्नोर-एन) लिखा मिला, जबकि इंजेक्शन की शीशियों पर फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन आईपी अंकित था। पुलिस ने सभी टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियों को जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी के खिलाफ बेगमपुर थाने में चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर बरामद दवाओं के स्रोत और उनकी सप्लाई कहां की जानी थी, इसका पता लगा रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

जामा मस्जिद थाने की सुरक्षा सख्त, बिना पूछताछ के प्रवेश बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामा मस्जिद थाने के भीतर पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमले की घटना के बाद थाने की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। अब थाने के प्रवेश द्वार पर आने वाले लोगों से पूछताछ और उनके आने का कारण जानने के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। बिना जांच-पड़ताल किसी को भी थाने में प्रवेश नहीं मिल रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव और दहशत का माहौल देखते हुए आरएएफ की एक टुकड़ी भी तैनात की गई है। गौरतलब है कि सोमवार को जामा मस्जिद थाने में पारिवारिक विवाद के सिलसिले में काउंसलिंग के लिए बुलाए गए नबील ने अचानक पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इसके बाद आरोपी थाने से बाहर निकलकर स्कूटी लूटकर फरार हो गया था। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने फिर पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

कार को रास्ता देने के विवाद में श्रमिक पर तलवार से हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरि नगर इलाके में कार को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में एक श्रमिक पर तलवार से हमला किया गया। पीड़ित की पहचान 26 वर्षीय पंकज के रूप में हुई है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिये आरोपी कार चालक की पहचान करने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, 22 नवंबर की देर रात झील वाला पार्क के पास दिल्ली जल बोर्ड का काम चल रहा है। वहां तीन श्रमिक ट्रक से पाइप उतार रहे थे। इसी दौरान वहां एक कार वहां पहुंची। कार चालक और ट्रक चालक के बीच रास्ता देने को लेकर विवाद हो गया। दोनों में कहासुनी होने लगी। यह देखकर श्रमिक तिहाड़ गांव निवासी पंकज ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। आरोप है कि इससे नाराज कार चालक ने तलवार से पंकज पर हमला कर दिया। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

डिलिवरी बॉय बनकर आया, पांच कारों की बैटरियां चुराईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुखर्जी नगर में चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने डिलिवरी बॉय की पहचान की आड़ में रिहायशी इलाके में खड़ी कारों को निशाना बनाया। आरोपी एक घंटे के भीतर पांच कारों की बैटरियां चोरी कर भाग गया। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, गौरव मुखर्जी नगर इलाके में रहते हैं। मुखर्जी नगर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह उन्होंने अपनी कार की बैटरी गायब पाई। उन्होंने इसकी सूचना आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों को दी। छानबीन करने पर पता चला कि पांच कारों की बैटरियां चोरी की गईं। गौरव ने वारदात की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान आसपास की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला, जिसमें पता चला कि बदमाश ने डिलिवरी बॉय की पहचान का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम दिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने घटना की पुष्टि की है।

घर से जेवरात चोरी करने वाला एक आरोपी धरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शकरपुर में घर से सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शास्त्री नगर निवासी राज हलदर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए तीन हार और साढ़े तीन जोड़ी बालियां बरामद की हैं। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस उसके साथी का पता लगाने की प्रयास कर रही है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि शकरपुर निवासी राहुल कुमार ने शिकायत दी थी कि आठ नवंबर की रात करीब दो से तीन बजे के बीच जब परिवार सो रहा था, तब घर में घुसे चोर जेवरात और मोबाइल चोरी कर ले गए। नौ नवंबर को शकरपुर थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्धों की पहचान हुई। सीसीटीवी फुटेज और सूचना के आधार पर पुलिस ने 20 नवंबर को राज हलदर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने एक दिन की रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी के जेवरात बरामद किए।

अवैध शराब के साथ पकड़ी गई महिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नंद नगरी थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नंद नगरी निवासी सरिका के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास और घर से शराब के 205 क्वार्टर और 42,400 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस सारिका से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अलवाल ने बताया कि 23 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे पुलिसकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्हें एक महिला सफेद थैला लेकर खड़ी दिखाई दी। पुलिस को देखकर वह घर में जाने लगी। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो थैले से शराब के 39 क्वार्टर मिले। इसके बाद घर की तलाशी में 166 क्वार्टर और 42 हजार रुपये बरामद हुए। आरोपी नंद नगरी थाने की बीसी है। उसके खिलाफ पहले से इसी तरह के 20 मामले दर्ज हैं।

'कॉकरोच क्लब' के जवाब में एलएचजेपी शुरू करेगी 'लाल हिट क्लब'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल हिट जनता पार्टी (एलएचजेपी) ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'कॉकरोच क्लब' के जवाब में अपना 'लाल हिट क्लब' शुरू करने की घोषणा की है। यह हास्य और व्यंग्य पर आधारित मंच होगा। इसकी शुरुआत 25 नवंबर को रात नौ बजे यूट्यूब पर होगी। मंच की राष्ट्रीय सह-संयोजक आयुषी सिंह ने कहा कि यह पहल सीजेपी के कॉकरोच क्लब की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू की गई है। यहां मीम, नाटक, स्टैंडअप कॉमेडी और अन्य कार्यक्रम होंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों से जोड़ना है। मंच के मुताबिक, इसके जरिए युवा सवाल उठा सकेंगे और अपनी बात रख सकेंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम भी होंगे। दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए नकद पुरस्कार और उपहार भी रखे गए हैं। विजेताओं का चयन योग्यता के आधार पर होगा। यह पहल 'आंखें खोलो साथियों' कार्यक्रम के तहत चलेगी। एलएचजेपी ने स्पष्ट किया कि वह राजनीतिक दल नहीं, बल्कि नागरिक मंच है और चुनाव नहीं लड़ सकता।

गुरु नानक देव जी का दर्शन पूरी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ: मुख्यमंत्री

- प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका



नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को श्री गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर दिल्लीवासियों और देशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है। उन्होंने समाज को सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों का भव्य समापन 12 से 14 दिसंबर तक लालकिले में होगा। पिछले वर्ष नवंबर में लालकिले से ही इन आयोजनों की शुरुआत की गई थी। उन्होंने गुरु संगत, साध संगत और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को समापन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक अशोक गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी से गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और भाईचारे व सद्भाव को बढ़ावा देने की अपील की।कन-

एमसीडी के दिवंगत कर्मचारियों के 65 आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को राहत देते हुए महापौर प्रवेश वाही ने 65 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की है। इन सभी की नियुक्ति निगम के इंजीनियरिंग विभाग में की जाएगी।
महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। जिन कर्मचारियों ने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया, उनके परिवारों की देखभाल करना निगम का नैतिक कर्तव्य है। अनुकंपा के आधार पर दी जाने वाली यह नियुक्ति दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के प्रति निगम की जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है।
महापौर ने कहा कि इन 65 आश्रितों की नियुक्ति से उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही निगम के इंजीनियरिंग विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी। एमटीएस के रूप में नियुक्त होने वाले कर्मचारी सड़कों, नालों, भवनों और जनसुविधाओं के रखरखाव से जुड़े कार्यों में योगदान देंगे। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए निगम प्रशासन विशेष अभियान चला रहा है। पात्रता की जांच के बाद 65 मामलों को स्वीकृति दी गई है। शेष पात्र मामलों का भी नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। महापौर ने सभी 65 आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने दिवंगत परिजनों की तरह ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ दिल्ली की सेवा करेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के 32 में से 24 मानकों पर सरकार विफल : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की समीक्षा में प्रदूषण नियंत्रण के मामले में दिल्ली का पांच राज्यों में सबसे खराब प्रदर्शन रहने पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि 32 में से 24 मानकों पर दिल्ली का विफल रहना सरकार और भाजपा शासित नगर निगम की प्रशासनिक नाकामी का प्रमाण है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वाहन, उद्योग, सड़क की धूल, कचरा प्रबंधन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। सरकार समाधान निकालने के बजाय बैठकें और विज्ञापन कर रही है, जबकि दिल्ली की जनता जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। उन्होंने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि सफाई कर्मचारियों की संख्या घट रही है, स्वीपिंग मशीनें पर्याप्त नहीं हैं और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम की ओर से जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और प्रदूषण में 15 से 20 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य देने से भी अब तक की व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से प्रदूषण के सभी स्रोतों पर ठोस कार्रवाई करने, सफाई कर्मचारियों के रिक्त पद भरने और कचरा प्रबंधन दुरुस्त करने की मांग की।

गुरु नानक देव का समानता व सेवा का संदेश आज भी प्रासंगिक : विजेंद्र गुप्ता



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की समानता, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं। उनका संदेश हमें स्मरण कराता है कि मानवता जाति, पंथ और धर्म के सभी भेदभावों से ऊपर है तथा सच्ची आस्था का वास्तविक अर्थ दूसरों की सेवा में निहित है।
विजेंद्र गुप्ता ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में माथा टेका और दिल्ली तथा देश की जनता की शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए अरदास की। गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाओं ने सामाजिक भेदभाव को चुनौती दी और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा एवं समानता को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने नाम जपो, किरत करो और वंड छको के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत ईश्वर के स्मरण, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने और दूसरों के साथ मिल-बांटकर रहने की भावना पर बल देते हैं। ये सिद्धांत आज भी करुणा, आपसी सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व पर आधारित समाज के निर्माण के लिए नैतिक आधार प्रदान करते हैं।
अपने दौरे के दौरान अध्यक्ष ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के ऐतिहासिक महत्व को भी स्मरण किया। यह पवित्र स्थल वर्ष 1675 में शहादत के बाद गुरु तेग बहादुर के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की स्मृति से जुड़ा है। नौवें सिख गुरु का अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का एक अमिट अध्याय है। सिख गुरुओं की विरासत आज भी पीढ़ियों को न्याय, मानवीय गरिमा और धार्मिक सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है।
गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव का 'सरबत दा भला' अर्थात सर्वजन कल्याण का संदेश सार्वभौमिक है और धार्मिक सीमाओं से परे समस्त मानवता को जोड़ता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे दया, ईमानदार आचरण और निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से गुरु जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें।

गुरु पर्व पर केजरीवाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका



नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गुरु पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी का पूरा जीवन मानवता के लिए एक संदेश है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। गुरु साहिब की शिक्षाएं कठिन परिस्थितियों में भी हमें सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गुरु पर्व के अवसर पर सभी को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर देशवासियों और उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं भी दीं। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपनी दिव्य वाणी और शिक्षाओं के माध्यम से पूरी मानवता को सत्य, प्रेम, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाया। उनके बताए तीन सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाना, ईश्वर का स्मरण करना तथा अपनी कमाई और खुशियों को दूसरों के साथ बांटना उनकी शिक्षाओं का मूल संदेश है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता की सेवा, सभी धर्मों के सम्मान, जाति-पाति से ऊपर उठकर समानता और आपसी प्रेम का संदेश देती हैं। इन आदर्शों को अपनाकर ही सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है।

प्रदूषण पर नियंत्रण करना सिर्फ दिल्ली की जिम्मेदारी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

- वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी अकेले दिल्ली की नहीं है। शीर्ष अदालत ने प्रदूषण को कम करने के मुद्दे पर सुस्त रवैया अपनाने के लिए पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की है। इस बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर 23.6 लाख से ज्यादा ऐसी गाड़ियां चल रही हैं, जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। आयोग ने कहा है कि बीएस-6 मानकों को पूरा करने वाले वाहनों की तुलना में पुराने वाहनों से अधिक प्रदूषण फैलाती हैं।
देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की खिंचाई करते हुए इन राज्यों से प्रदूषण कम करने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने और सुनवाई के दौरान अपने-अपने महाधिवक्ता ?की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है। दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए, सीजेआई ने जोर देकर 'प्रदूषण की समस्या से निपटने की जिम्मेदारी सिर्फ दिल्ली की नहीं हो सकती, पड़ोसी राज्यों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाना चाहिए।'
सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पड़ोसी राज्य प्रदूषण नियंत्रित करने की इस प्रक्रिया में इतने निष्क्रिय क्यों हैं? वे इसमें सक्रिय रूप से शामिल क्यों नहीं हो रहे हैं? पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई पर उनके महाधिवक्ता अदालत में मौजूद रहना चाहिए। पीठ ने 'पड़ोसी राज्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा आप हमें हमेशा पीछे बैठने वालों यानी बैकबेंचर की तरह व्यवहार करते हैं। आप सभी जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते?
मामले की सुनवाई पर अपने महाधिवक्ता की मौजूदी सुनिश्चित करें।' इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने राज्यों को यह बताने के लिए विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया कि वे एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। पीठ ने इसका विस्तृत ब्यौरा देने को कहा है। पीठ ने राज्यों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी सवाल किया और कहा कि एनसीआर में प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है।

बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को पूरे एनसीआर में लागू करने का सुझाव

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को दिल्ली से आगे पूरे एनसीआर में क्षेत्र में लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा कदम प्रदूषण को कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। पीठ ने मामले सुनवाई के दौरान सवाल किया कि 'क्या दिल्ली में कमर्शियल वाहनों के प्रवेश को पूरी तरह रोका जा सकता है? साथ ही कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि शहर के लिए जरूरी सामानों की आपूर्ति पर कोई असर न पड़े। पीठ ने माना कि दिल्ली सब्जियों, भोजन और रोजमर्रा की अन्य जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर तक होंगे शहीदी समागम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मुख्य समागम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने पहुंचकर माथा टेका। उधर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता की सेवा, ईमानदारी और मेहनत से कमाई करने का संदेश दिया। गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाती हैं। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के साथ ही गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के समापन समागमों की तैयारियां भी की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 27 नवंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में विशाल कवि दरबार आयोजित किया जाएगा, जबकि 29 नवंबर को आगरा स्थित गुरुद्वारा गुरु का ताल से नगर कीर्तन दिल्ली पहुंचेगा। 30 नवंबर से छह दिसंबर तक गुरु साहिब की चरण स्पर्श प्राप्त वस्तुओं के साथ दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नगर कीर्तन सजाए जाएंगे। सात दिसंबर को वर्ल्ड सिख कॉन्क्लेव होगा, जिसमें विश्वभर में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले सिखों को सम्मानित किया जाएगा। 12, 13 और 14 दिसंबर को लाल किले पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें लाइट एंड साउंड शो भी शामिल होंगे। वहीं 14 दिसंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब तक नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जबकि 15 दिसंबर को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में विशेष दीवान सजाए जाएंगे।

दिल्ली में युवाओं व महिलाओं को मिलेगा अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार युवाओं और महिलाओं को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार देने जा रही है। शालीमार बाग में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से 12वीं पास युवाओं के लिए आईटीआई की तर्ज पर रोजगारपरक तकनीकी पाठ्यक्रम और महिलाओं के लिए बेकरी, ब्यूटी, फैशन, सिलाई और अन्य व्यावहारिक कौशल से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षण को केवल प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर उसे रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाना है।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्ली के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना शामिल है। शालीमार बाग में बनने वाला यह केंद्र इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां प्रशिक्षण को बाजार की मांग और उद्योगों की जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं को आधुनिक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा। महिलाओं को अपनी रुचि, क्षमता और पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप कौशल सीखने तथा स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर मिलेंगे। केंद्र में लचीली समय-सारणी, सप्ताहांत बैच और ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रस्तावित है, जिससे घरेलू जिम्मेदारियों के कारण प्रशिक्षण से वंचित रहने वाली महिलाएं भी अपने हुनर को निखार सकेंगी। यह केंद्र न केवल युवाओं के लिए कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा।
मुख्यमंत्री ने बताया कि इस केंद्र के आधुनिक भवन का निर्माण दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में करेगा। डेसू कॉलोनी के पास बनने वाले इस केंद्र में स्मार्ट क्लासरूम, 14 अत्याधुनिक लैब व प्रशिक्षण केंद्र, लाइब्रेरी और लर्निंग रिसोर्स सेंटर, 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपर्पज ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस और प्लेसमेंट आदि से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रशिक्षण के लिए डिजिटल एवं आईटी लैब, फैशन और टेक्सटाइल लैब, सिलाई एवं हस्तशिल्प, ब्यूटी-वेलनेस, बेकरी एवं फूड प्रोसेसिंग, हेल्थकेयर आदि से संबंधित आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे।
उन्होंने कहा कि परिसर से सटे लगभग दो एकड़ क्षेत्र में हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण मैदान भी विकसित किया जाएगा, जहां पौधों की देखभाल, पौध स्वास्थ्य और लैंडस्केपिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। दिल्ली के दूर-दराज के क्षेत्रों और बाहर से आने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वहां हॉस्टल एवं आधुनिक स्पोर्ट्स फैसिलिटी विकसित करने की योजना भी है ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को एक संपूर्ण और सुलभ शैक्षणिक माहौल मिल सके।
मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में महिलाओं के लिए फैशन डिजाइन, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, हेयर स्टाइलिंग, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग और हस्तशिल्प जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से उपयोगी होंगे। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं नौकरी करने के साथ अपना बुटीक, ब्यूटी सलून, बेकरी, टिफिन सेवा या अन्य व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। महिला उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन सुविधा के माध्यम से उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए मार्गदर्शन, मेंटरशिप, बाजार से जुड़ाव और वित्तीय सहायता के अवसरों से जोड़ने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि कामकाजी माताओं की सुविधा के लिए परिसर में 25-25 बच्चों की क्षमता वाली दो क्रैच यूनिट तथा प्राथमिक चिकित्सा के लिए मेडिकल सिक-बे भी बनाया जाएगा। इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की देखभाल की चिंता से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र का अकादमिक एवं तकनीकी संचालन सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के मानकों के अनुरूप उद्योग आधारित व्यावहारिक कौशल पर केंद्रित होंगे। युवाओं को डिजिटल सेवाओं, आईटी सपोर्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद रोजगार, अप्रेंटिसशिप अथवा स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस केंद्र को स्किल इंडिया, मिशन शक्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'विकसित भारत-2047' जैसी प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए प्रशिक्षुओं के लिए उच्च शिक्षा के आगे के रास्ते भी खोलने की योजना है। विशेष बात यह है कि यहां प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं को सरकार की ओर से सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि दूसरी जगहों पर भी रोजगार मिलने में उन्हें आसानी रहे।